छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

अगस्त 2025 | वर्ष 22 | अंक 04



रोशन करेंगे देश

- प्रदेश में 32000 मेगावॉट बिजली उत्पादन के लिए कई संस्थाओं से करार
- 400 केवी का पांचवा उपकेन्द्र धरदेही ऊर्जीकृत
- आदिवासी क्षेत्रों के हर घर में बिजली पहुंचाने की मुहिम



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

विवरण	नवम्बर 2000	जुलाई 2025
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	135 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट किमी	14,350 सर्किट किमी
400 केवी उपकेन्द्र की संख्या	1 नग	4 नग
400 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	945 एमवीए	3,465 एमवीए
400 केवी लाइन की लंबाई	277 किमी	1,932 किमी
220 केवी उपकेन्द्र की संख्या	5 नग	28 नग
220 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,350 एमवीए	10,960 एमवीए
220 केवी लाइन की लंबाई	1594.30 किमी	4,269 किमी
132 केवी उपकेंद्र की संख्या	20 नग	103 नग
132 केवी उपकेंद्र की क्षमता	1,257 एमवीए	12,050 एमवीए
132 केवी लाइन की लंबाई	2,974 किमी	8,311 किमी
33/11 केवी उपकेन्द्र की संख्या	248 नग	1,472 नग
33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,033 एमवीए	10,162 एमवीए
33 केवी लाइन की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	25,855 सर्किट किमी
11/04 केवी उपकेन्द्र की संख्या	29,692 नग	2,51,278 नग
11/04 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,951 एमवीए	1,44,91 एमवीए
11 केवी लाइन की लंबाई	40,556 किमी	1,44,979 किमी
निम्नदाब लाइन की लंबाई	51,314 किमी	2,44,127 किमी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	65,21,951
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	4,177
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,94,277
अस्थायी पंपों की संख्या	–	2,42,390
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,609
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	7003 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की गृह पत्रिका

संकल्प

अगस्त 2025 | वर्ष - 22 | अंक-4

संरक्षक



श्री सुबोध कुमार सिंह IAS
माननीय अध्यक्ष
सीएसपीटीसीएल



डॉ.रोहित यादव IAS
माननीय अध्यक्ष
सीएसपीजीसीएल / सीएसपीडीसीएल



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
सीएसपीजीसीएल



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
सीएसपीटीसीएल



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
सीएसपीडीसीएल

संपादक



उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

संपादन सहयोग - गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी

छाया : संजय टेम्बे

कार्यालय सहयोग : प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर

फोन : 0771-2574702, 98936-24511
E-mail : procsphcl@gmail.com, powercomu01@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के लिए, कार्यालय अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) द्वारा प्रकाशित। प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 250 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है- मुद्रक : मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स, रायपुर

क्रम



प्रदेश की बिजली से रोशन होगा देश... लक्ष्य विकसित भारत 2047	02
क्षेत्रीय मुख्यालयों तथा बिजली घरों में स्वतंत्रता दिवस समारोह	09
धरदेही में 400 केवी ग्रिड उपकेंद्र ऊर्जीकृत	12
कुरूद-राजिम में पारेषण तंत्र के बड़े कार्य	13
कोरबा में बिजलीघरों व जिले में विकास कार्यों की समीक्षा	14
मेरा संस्थान-मेरी शान- 7 : कर्मशाला संभाग, भिलाई-3	16
मड़वा बिजली घर में अध्यक्ष व प्रबंध निदेशकों का दौरा	17
अनवरत विद्युत विकास	18
परिचयावली	20
मेरी कहानी - मेरी जुबानी	21
बिजली की कहानी - 6	22
जिला परिक्रमाः कबीरधाम (राजनांदगांव क्षेत्र के अंतर्गत)	25
हेल्थ : निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर	26
Power Sector Round up	27
...ताकि बनी रहे हरियाली	28



प्रदेश की बिजली से रोशन होगा देश...

लक्ष्य विकसित भारत 2047

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय सेवाभवन रायपुर परिसर में आयोजित समारोह में प्रदेश के ऊर्जा सचिव तथा उत्पादन एवं वितरण कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने परेड की सलामी ली तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राज्य स्तरीय व केन्द्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के विद्युत कर्मियों को संबोधित करते हुए डॉ.रोहित यादव ने कहा कि आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक देश की पीक डिमांड 750 गीगावाट होने का अनुमान है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जो 32 हजार मेगावॉट क्षमता के बिजलीघर प्रदेश की धरती में विभिन्न संस्थाओं द्वारा स्थापित करने की तैयारी की गई हैं, वह न सिर्फ प्रदेश की बढ़ती हुई मांग को पूरा करेगा बल्कि देश की विद्युत आवश्यकता को पूरा करने में भी योगदान देगा।

डॉ. रोहित यादव ने अपने संबोधन में कहा - आजादी के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीदों, आजादी के बाद देश में विकास की मजबूत नींव रखने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों और अपनी प्रतिभा से लगातार देश के विकास में नये कीर्तिमान रचने वाली विभूतियों को सादर प्रणाम करता हूं। आजादी के संघर्षों और उपलब्धियों के प्रति गौरव का भाव रखना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है। मैं चाहूंगा





कि आप आजादी के मायनों को नये विस्तार देने के लिए अपने दायित्वों का निर्वाह निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी से करें। यही राष्ट्रीय भावना और देशभक्ति की अभिव्यक्ति है।

» वर्तमान पीक डिमाण्ड से 3 गुनी अधिक 750 गीगावॉट

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आजादी के शताब्दी वर्ष अर्थात् वर्ष 2047 तक जिस विकसित भारत की परिकल्पना की है, उसके लिए देश की ऊर्जा आवश्यकता वर्तमान पीक डिमाण्ड से 3 गुना अधिक 750 गीगावॉट होगी। इसके साथ ही वर्ष 2070 तक नेट जीरो कॉर्बन उत्सर्जन का लक्ष्य भी प्राप्त किया जाना है। इस तरह छत्तीसगढ़ में हम विद्युत विकास के लिए जो कार्य करेंगे, वह सिर्फ प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए ही नहीं बल्कि समूचे राष्ट्र के विकास में भागीदारी के लिए भी करेंगे।

» 32 हजार मेगावॉट से अधिक क्षमता के बिजलीघर

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने, प्रधानमंत्री जी के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस पहल की। उन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती पर 32 हजार मेगावॉट से अधिक क्षमता के बिजलीघर स्थापित करने हेतु न सिर्फ राज्य सरकार बल्कि केन्द्रीय संस्थाओं व स्वतंत्र ऊर्जा उत्पादकों के साथ एमओयू निष्पादित कराये हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने बिलासपुर आकर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के कोरबा पश्चिम स्थित 2 गुणा 660 मेगावॉट क्षमता के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना का कार्य प्रारंभ किया। हम कोरबा पूर्व तथा पश्चिम में खाली पड़ी भूमि व राखड़ बांध क्षेत्र में 32 मेगावॉट क्षमता का सोलर पॉवर प्लांट, 6 स्थानों पर 8 हजार 300 मेगावॉट के पंप स्टोरेज हॉयडल पॉवर प्लांट लगाने जा रहे हैं। बिजलीघरों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार बताते हैं कि आप ''बेस्ट'' हो, इस उपलब्धि को बनाये रखने की जिम्मेदारी भी आप पर है।

राज्य सरकार इस वर्ष अमृत रजत जयंती महोत्सव मना रही है। यह अवसर 25 वर्षों की उपलब्धियों को याद करने का भी है। राज्य गठन के समय स्टेट सेक्टर में विद्युत उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता मात्र 1 हजार 400 मेगावॉट थी जो अब बढ़कर 2 हजार 978.70 मेगावॉट हो गई है। रणनीतिक भागीदारी के साथ बिजलीघर स्थापित करने के प्रयासों से निकट भविष्य में हमारी स्थापित क्षमता कई गुना अधिक हो जायेगी।

» पारेषण ट्रांसफार्मरों की क्षमता 27 हजार 660 एमवीए

हर्ष का विषय है कि हमारी ट्रांसमिशन कंपनी ने 5 साल बाद प्रदेश का पांचवां 400 केवी उपकेन्द्र धरदेही जिला मुंगेली में ऊर्जीकृत कर दिया है। दो वर्षों में 220 केवी के 2 उपकेन्द्र तथा 132 केवी के 5 उपकेन्द्र ऊर्जीकृत किये गये हैं। विगत 25 वर्षों में 400 केवी उपकेन्द्र 1 से बढ़कर 5 तथा ट्रांसफार्मर 3 से बढ़कर 14, 220 केवी उपकेन्द्र 5 से बढ़कर 27 तथा ट्रांसफार्मर 12 से बढ़कर 71 तथा 132 केवी उपकेन्द्र 20 से बढ़कर 105 तथा ट्रांसफार्मर 46 से बढ़कर 284 हो गये है। पारेषण ट्रांसफार्मरों की क्षमता 3 हजार 552 से बढ़कर 27 हजार 660 एमवीए हो गई है।

प्रदेश की बढ़ती हुई विद्युत मांग को देखते हुए केंद्रीय ग्रिड से छत्तीसगढ़ को आबंटित बिजली में वृद्धि आवश्यक थी, इस बात को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय ग्रिड के उपकेंद्रों से नई पारेषण लाइनों के निर्माण एवं राज्य में नए 400 केवी, 220 केवी उपकेंद्रों एवं अन्य कार्यों के लिए लगभग 6 हजार 680 करोड़ रुपये की कार्ययोजना वर्ष 2022 में मंजूर हुई थी। जिसके जरिए पूर्ण हुए कार्यों से अवेलेबल ट्रांसफर कैपेसिटी (एटीसी)







जो वर्ष 2023 में 2 हजार 540 मेगावॉट थी, उसे बढ़ाकर अब 4 हजार 510 मेगावॉट किया जा चुका है। विगत 1 वर्ष में पूर्ण किए गए कार्यों से पारेषण हानि को 3.51 प्रतिशत से घटाकर 3.29 प्रतिशत कर दिया गया है।

» वितरण कंपनी : अधोसंरचना विकास के कीर्तिमान

हमारी वितरण कंपनी वास्तव में तीनों कंपनियों का चेहरा है। आम उपभोक्ताओं, आदिवासी, पिछड़ा तबका, किसानों, ग्रामीणों से लेकर बड़े उपभोक्ताओं का सीधा वास्ता वितरण कंपनी से होता है। इसने 25 वर्षों में अधोसंरचना विकास के कीर्तिमान रचे हैं। 33 केवी लाइन की लंबाई 6 हजार 988 किलोमीटर से बढ़ कर 25 हजार 856 किलोमीटर हो गई है। 33 केवी उपकेन्द्रों की संख्या 248 से बढ़कर 1 हजार 473, इनकी क्षमता 1 हजार 33 से बढ़ कर 10 हजार 77 हो गई है। 11 केवी उपकेन्द्रों की संख्या 29 हजार 692 से बढ़कर 2 लाख 51 हजार 278, इनकी क्षमता 1 हजार 951 से बढ़ कर 14 हजार 694 एमवीए हो गई है। 11 केवी और निम्नदाब लाइनों की लंबाई 91 हजार 870 से बढ़कर 3 लाख 89 हजार 108 किलोमीटर हो गई है। आगामी वर्षों में 470 उपकेन्द्र व इसका पूरा तंत्र बनाने का लक्ष्य है।

वितरण कंपनी जन-जन को बिजली की शक्ति सौंपने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। कृषि पम्पों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन, बीपीएल उपभोक्ताओं को निःशुल्क बिजली प्रदाय, हॉफ बिजली बिल योजना, कृषि पंपों का ऊर्जीकरण, मजराटोला विद्युतीकरण योजना, शहरी विद्युतीकरण योजना, अधोसंरचना विकास योजना, आरडीएसएस योजना, पीएम कुसुम आदि योजनाओं के माध्यम से न सिर्फ अधोसंरचना विकास बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के जीवन में विकास की नई रोशनी लाने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत 7 अत्यंत पिछड़ी जनजातियों के 6 हजार 954 आवासों में ग्रिड के माध्यम से बिजली पहुंचाई गई है।

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 65 हजार 711 घरों में बिजली पहुंचाने का कार्य 1 वर्ष में पूरा कर लिया जायेगा। नियद नेल्लानार योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा कैम्पों के समीप 5 किलोमीटर के दायरे में 5 हजार 422 घरों में बिजली पहुंचाई गई और 10 किलोमीटर की परिधि में 180 गांवों का ग्रिड के माध्यम से विद्युतीकरण किया जा रहा है।

» प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा भी सब्सिडी देने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं ताकि उपभोक्ता स्वयं ही बिजली उत्पादक बन सकें। इससे उपभोक्ताओं को हॉफ बिजली





बिल से पूर्णतः शून्य बिजली बिल की ओर जाने का लाभ मिलेगा। मैं चाहूंगा कि हमारे अधिकारी-कर्मचारी स्वयं इस योजना का लाभ उठाकर एक मिसाल बनें। शासन ने हमें प्रदेश में मार्च 2027 तक 1 लाख 30 हजार घरों में रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट लगाने का लक्ष्य दिया है, पर हम चाहते है कि इस अवधि में 5 लाख का लक्ष्य प्राप्त किया जाये। सरकार की मंशा है कि उपभोक्ता सस्ती बिजली के लिए किसी शासकीय योजना पर आश्रित न रहें बल्कि अपने घरों में सोलर पॉवर प्लांट लगाकर स्वयं बिजली उत्पादक बनें।

» 75 हजार वृक्षारोपण एवं वितरण का आंकड़ा पार

विकास के क्रम में पर्यावरण सुरक्षित रखने के लिए सटीक प्रयास जरूरी हैं। खुशी की बात है कि आप सबके उत्साह और कर्मठता की बदौलत हमने प्रारंभिक लक्ष्य से अधिक 75 हजार वृक्षारोपण एवं वितरण का आंकड़ा पार कर लिया है। इस उपलब्धि के लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं। इस मुहिम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले साथियों को पुरस्कृत किया जा रहा है। मैं ऐसे सभी वृक्ष-मित्रों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मेरी अपील है कि इन पौधों को जीवित रखने और बढ़ने देने की जिम्मेदारी भी उठाइये ताकि आंकड़ा सार्थकता में बदल सके।

» 1 हजार 700 से अधिक पदोन्नति

हमारी तीनों पॉवर कंपनियां अपने अधिकारियों-कर्मचारियों के हितों को लेकर सचेत हैं। रिक्त पदों पर लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए हमने तत्परता से 1 हजार 700 से अधिक पदोन्नति आदेश जारी किये, ताकि हमारे कर्मठ कर्मियों को सेवानिवृत्ति के पहले पदोन्नति का लाभ मिल सके। इसके अलावा 30 कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता के पद पर तथा आई.टी.आई. उत्तीर्ण करने वाले 141 लाइन परिचारक श्रेणी-दो को तकनीशियन (वितरण) के पद पर पदोन्नति आदेश जारी किए जा रहे हैं।

कैशलेस योजना के सदस्यों की संख्या भी काफी बढ़ी है। महंगी चिकित्सा के इस जमाने में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी ऐसी सुविधा प्रदान करना बड़ी बात है। मैं चाहूंगा कि बिजली कर्मियों को उनके हक की सुविधाएं लगातार मिलती रहें। आप लोगों की कर्मठता, लगनशीलता और कार्य के प्रति समर्पण काबिले तारीफ है। हमें समय की धारा और भविष्य की चुनौतियों के प्रति भी सचेत व तैयार रहना चाहिए। स्वच्छता-पारदर्शिता-दक्षता से आप सुरक्षित भविष्य की तैयारी कर सकते हैं। इस दिशा में हम शीघ्र ही ई-ऑफिस शुरू करेंगे।

» ई-ऑफिस प्रणाली होगी शुरु

राज्य शासन ने मंत्रालय में ऑनलाइन फाइल अनुमोदित करने का सिस्टम बनाया है। यह बहुत सरल, प्रभावी और आसान है। इसे अब पॉवर कंपनी के सभी विभागों में भी अपनाया जाएगा। अधिकारी कहीं भी हों, फाइलों को अपने कंप्यूटर या लैपटाप से निराकृत कर सकेंगे। इसमें समय या फिर भौतिक रूप से मोटी-मोटी फाइल लाने ले जाने की झंझट नहीं रहेगी।

» पुरानी सामग्रियों व दस्तावेजों के निस्तारण के लिए मेनुअल

डॉ. यादव ने कहा- पॉवर कंपनी में जल्द ही पुरानी सामग्रियों व दस्तावेजों के निस्तारण के लिए मेनुअल बनाकर लागू किया जाएगा। ताकि हम उन्हें डिजिटल करके सुरक्षित रखें और अपने आफिस को स्वच्छ और सुंदर बना सकें। सभी दफ्तरों में पुराने अनावश्यक दस्तावेज और कबाड़ के ढेर लग रहे हैं, इनका निराकरण दो अक्टूबर के पहले करना है।

अंत में डॉ. यादव ने कहा- इस स्वतंत्रता दिवस समारोह के पश्चात् ही छत्तीसगढ़ का अमृत रजत जयंती महोत्सव शुरू हो जायेगा। मैं चाहूंगा कि आप सब इसमें सक्रिय भागीदारी निभायें। राज्य के इतिहास के लिए यह मील का पत्थर है जिसकी याद आने वाले अनेक वर्षों तक की जायेगी। आप सबके सहयोग से हमारी पॉवर कंपनियां उत्तरोत्तर विकास करें तथा सबकी जिंदगी में उजाला फैलाएं।

(सुलभ संदर्भ के लिए डॉ.रोहित यादव का उद्बोधन यहां अविकल रूप से प्रस्तुत है)

» परेड की सलामी

मुख्य अतिथि डॉ. रोहित यादव के मुख्यालय परिसर में आगमन पर मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री ए.एम.परियल, मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री ए.श्री निवास राव ने उनकी अगुवानी की। सुरक्षा कर्मियों ने जनरल सेल्यूट दिया। तत्पश्चात् डॉ. यादव ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीरों पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक (उत्पादन) श्री एस.के.कटियार, प्रबंध निदेशक (पारेषण) श्री आर.के.शुक्ला तथा प्रबंध निदेशक (वितरण) श्री भीमसिंह कंवर, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री ए.एम.परियल एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री ए.निवास राव उपस्थित थे। तत्पश्चात् डॉ. यादव ने ध्वजारोहण किया। सुरक्षा बैंड दल द्वारा राष्ट्रीय गान की धुन बजाई गई।

» परेड का निरीक्षण

मुख्य अतिथि डॉ. रोहित यादव द्वारा सुरक्षा बलों की परेड का निरीक्षण किया गया। परेड कमाण्डर की भूमिका में सुरक्षा निरीक्षक श्री प्रभुशरण सिंह, पहली प्लाटून कमाण्डर श्री तीजूराम नेताम, दूसरी प्लाटून के कमाण्डर श्री राकेश कुमार फेक्कर तथा





तीसरी प्लाटून कमाण्डर श्री योगेश कुमार साहू थे। बैंड दल का नेतृत्व सुरक्षा उपनिरीक्षक श्री ताराचंद बेन ने किया। तत्पश्चात् मार्चपास्ट करते हुए तीनों प्लाटूनों ने मुख्य अतिथि को सलामी दी।

» राज्यस्तरीय पुरस्कार

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार के रूप में 5,000 रुपये नगद, स्वर्ण पदक तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वहीं केन्द्रीय कार्यालय स्तर के पुरस्कारों में 1,000 रुपये, नगद, स्वर्ण पदक तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कंपनी मुख्यालय में 15 अगस्त को आयोजित समारोह में जनरेशन कंपनी के श्री सतीश कुमार रस्तोगी, सहायक अभियंता को मड़वा विद्युत गृह 2 के कोल मिल क्र. 2-एच के प्लेनेटरी गियर बाक्स में आई तकनीकी खराबी को ठीक करने, श्री आर.के. कौशिक, कार्यपालन अभियंता, एचटीपीएस, कोरबा पश्चिम को 4×210 एवं प्रस्तावित 2×660 मेगावॉट की नवीन परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने में योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। ट्रांसमिशन कंपनी के श्री त्रिभुवन जंघेल, परिचारक श्रेणी-एक (लाइन) अति उच्च दाब (संधारण) संभाग, भिलाई को 220 केवी खेदामारा-ठेलकाडीह सर्किट-2 में कंडक्टर हार्डवेयर फेल होने से बाधित विद्युत आपूर्ति को बहाल, श्री इंजोर कुमार साय, कार्यपालन अभियंता, (निर्माण) संभाग, कोरबा को सघन वन क्षेत्र को बायपास करते हुए 132/33 केवी उपकेन्द्र जनकपुर को ऊर्जीकृत करने, श्री गणेशराम जायसवाल, कार्यपालन अभियंता (निर्माण) संभाग, बिलासपुर को अति उच्च दाब उपकेन्द्र मस्तुरी एवं धरदेही के लिये 400 केवी लाइन के निर्माण एवं कोंडातराई-जुर्डा 132 केवी लाइन के निर्माण कार्यों में आ रही रुकावटों को दूर करने के लिए पुरस्कृत किया गया। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के श्री अविनाश कुमार दुबे, सहायक अभियंता (बघेरा उपसंभाग) को बकाया राशि में 48 प्रतिशत की कमी तथा ट्रांसफार्मर फेल्योर रेट में 5 प्रतिशत से 2.7 प्रतिशत लाने, श्री नितेश चन्द्र दुबे तकनीशियन नगर संभाग दक्षिण रायपुर ने आंधी-तूफान के कारण 33 केवी के 9 फीडरों में ब्रेक-डाउन के कारण 12 उपकेन्द्रों एवं 20 उच्चदाब उपभोक्ताओं की बाधित विद्युत व्यवस्था को अल्पसमय में बहाल करने के कारण पुरस्कृत किया गया।

» केंद्रीय कार्यालय पुरस्कार

जनरेशन कंपनी से श्री पंकज जायसवाल, सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) को पॉवर फायनेंस कॉर्पोरेशन द्वारा 8.7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर स्वीकृत ऋण की बकाया राशि को 7.48 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर रिफायनेंस करवाने, श्री बादल वर्मा, सहायक अभियंता (सी. एण्ड आर.ए) को वर्ष 2025-26 की पूंजीगत निवेश योजना याचिका में खर्च की जानकारी का संकलन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। ट्रांसमिशन कंपनी के श्री यू.आर. मिर्चे, अधीक्षण अभियंता (लाइन) को विधानसभा व लोकसभा प्रश्नों के उत्तर एवं छत्तीसगढ़ महालेखाकार के ऑडिट-पैराओं का उपयुक्त जवाब समय-सीमा में प्रेषित करने, श्रीमती रेखा शर्मा, सहायक अभियंता (भार प्रेषण केन्द्र) को ट्रांसमिशन लॉस की गणना से संबंधित सभी आंकड़ों को दुरूस्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के श्री दुर्गा चरण पटेल कार्या. सहा. श्रेणी-दो को निविदा संपादित करने, न्यायालयीन प्रकरणों, विधानसभा प्रश्नों की जानकारी को समय सीमा में उपलब्ध कराने, श्री प्रभाकर उराव, सहायक अभियंता (राजस्व) को डिजिटल एवं ऑनलाइन







भुगतानों तथा सैप बिलिंग मॉड्यूल में आवश्यक प्रविष्टि व उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण करने हेतु पुरस्कृत किया गया।

» वृक्षारोपण पुरस्कार

तीनों कंपनियों ने मिला कर 75 हजार वृक्षारोपण तथा वितरण का कीर्तिमान स्थापित किया, जिसके लिए चार श्रेणियों में पुरस्कार दिये गये। यथा-पॉवर कंपनी, विभाग प्रमुख, व्यक्तिगत तथा सेल्फी।

कंपनी स्तर पर प्रबंध निदेशक डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीम सिंह कंवर को लक्ष्य 25,000 के विरुद्ध 40,000 पौधों को रोपित एवं वितरित करने के लिए राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया। क्षेत्रीय स्तर पर कार्यपालक निदेशक रायपुर ग्रामीण श्री संदीप वर्मा को 4500 के विरुद्ध 12,500 पौधे रोपित एवं वितरित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। व्यक्तिगत श्रेणी में सहायक प्रबंधक श्री कन्हैया देवांगन, कनिष्ठ अभियंता श्री डिकेश देवांगन, प्रबंधक वित्त श्रीमती स्वाति तिवारी, लाइन परिचारक श्रेणी एक श्री रोमनाथ साहू, तकनीशियन श्री यशवंत कुमार राठौर को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार सेल्फी प्रतियोगिता में कार्यालय सहायक श्रेणी दो श्री महेश कुमार गौतम, सहायक अभियंता श्री भूषण प्रसाद वर्मा, परिचारक श्रेणी दो श्री विजय कुमार साहू, कार्यपालन अभियंता श्री योगेश्वर कुमार सिन्हा, प्रकाशन अधिकारी दुर्ग श्रीमती माया चंद्राकर को पुरस्कृत किया गया।

» सुरक्षा बलों को पुरस्कार

उत्कृष्ट परेड के लिए सुरक्षा टीमों को पुरस्कृत किया गया, जिसे श्री पी.एस.सिंह ने ग्रहण किया। वहीं बैंड प्रदर्शन के लिए बैंड दल का पुरस्कार श्री ताराचंद बेन ने प्राप्त किया।

» जनरेशन स्टोर मेनुअल का विमोचन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा विद्युत गृहों के लिए की गई खरीदी के व्यवस्थित रखरखाव तथा निस्तारण के लिए स्टोर मेनुअल बनाने की जिम्मेदारी दक्ष अभियंताओं की समिति को दी गई थी। इस कार्य में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री वी. के. सेन चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान था। इस स्टोर मेनुअल को विमोचन हेतु मुख्य अभियंता (मानव संसाधन-उत्पादन) श्री हेमंत सिंह व श्री सेनचौधरी ने प्रस्तुत किया। प्रबंध निदेशक (उत्पादन) श्री एस.के.कटियार व अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने इसका विमोचन किया। मुख्य समारोह के पश्चात् उत्पादन, पारेषण तथा वितरण कंपनियों के प्रबंध निदेशकों के द्वारा संबंधित कंपनियों के क्षेत्रीय पुरस्कार प्रदान किये गये। यह पुरस्कार राज्य तथा केन्द्रीय कार्यालय स्तर के अलावा अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रदान किये जाते है।

» क्षेत्रीय पुरस्कार : उत्पादन कंपनी

उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार ने 8 विद्युत कर्मियों को पुरस्कृत किया। श्री विजय कुमार सेन चौधरी, अतिरिक्त मुख्य









अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता, उत्पादन, डीएसपीएम, कोरबा पूर्व को स्टोर मेनुअल तैयार करने के लिए, श्री आयुष्मान ठाकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता कार्यालय कार्यपालक निदेशक, प्रोजेक्ट रायपुर 2x660 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना कोरबा पश्चिम में निविदा प्रक्रिया एवं बीएचएल को कार्यादेश प्रदान करने की भूमिका के लिए, श्री आनंद घीडोले, अधीक्षण अभियंता कार्यालय कार्यपालक निदेशक, प्रोजेक्ट को 2x660 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना कोरबा पश्चिम में निविदा प्रक्रिया एवं बीएचएल को कार्यादेश प्रदान करने की भूमिका के लिए, श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता, सिविल कार्यालय मुख्य अभियंता (सिविल) रायपुर को नया रायपुर में भवन निर्माण में हितधारकों के बीच समन्वय एवं कंपनी को बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय बोझ के नये स्थान के अनुमोदन प्राप्त करने हेतु, श्री नीरज कुमार वर्मा, कार्यपालन अभियंता, कार्यालय कार्यपालक निदेशक (सीपीबीडी), रायपुर को पारंपरिक और गैर पारंपरिक ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना एवं निजी निवेशकों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कराने हेतु तथा छत्तीसगढ़ एनर्जी इन्वेस्टर समिट 2025 के आयोजन के लिए, श्रीमती अमिता बारा, कार्यपालन अभियंता, कार्यालय कार्यपालक निदेशक (संचारण-संधारण) रायपुर को जनरेशन कंपनी में आईएसओ/आईईसी-27001रू 2022 सूचना सुरक्षा प्रमाणन की प्रक्रिया को संचालित करने के लिए, श्री लोकेश भेड़िया, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो कार्यालय मुख्य अभियंता (ईंधन) रायपुर को कार्यालयीन कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने एवं तीन-तीन रिक्त विभागीय कर्मचारी के दायित्वों के निर्वहन करने, श्रीमती नेहा शुक्ला, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो कार्यालय कार्यपालक निदेशक(वित्त) रायपुर को कुल 142 नियमित प्रकरण और 89 पेंशन पुनरीक्षण प्रकरण तैयार एवं स्वीकृत कराने के लिए पुरस्कृत किया गया।

» क्षेत्रीय पुरस्कार : पारेषण कंपनी

पारेषण कंपनी में 7 विद्युत कर्मियों को प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने पुरस्कृत किया। श्री सुरेश कुमार वर्मा, सहायक अभियंता कार्यालय कार्यपालन अभियंता (अति.उच्चदाब संधारण) को 132 केवी सिलतरा-कचना लाइन में क्षतिग्रस्त हुये टॉवर को पुनः खड़ा करने एवं विद्युत व्यवस्था बहाल करने के लिए, श्रीमती वर्षा कुर्रे, सहायक अभियंता कार्यालय मीटर रिले परीक्षण, बिलासपुर को 132 केवी उपकेन्द्र मस्तूरी की संपूर्ण यार्ड उपकरणों की वायरिंग टेस्टिंग एवं कमीशनिंग के कार्य हेतु, श्री आयुष श्रीवास्तव, कनिष्ठ अभियंता कार्यालय कार्यपालन अभियंता, सिविल संभाग, अंबिकापुर को जनकपुर में 132/33 केवी उपकेन्द्र के निर्माण कार्य में सहयोग करने हेतु, श्री संतोष कुमार महतो, कनिष्ठ अभियंता कार्यालय कार्यपालन अभियंता संचार एवं टेलीमेटरी संभाग, बिलासपुर को 400 केवी उपकेन्द्र धरदेही के रिअल टाइम डाटा मेचिंग/डाटा वेलिडेशन के परीक्षण कार्य के लिए, श्री भगवान दास पुरेन्द्र, कनिष्ठ पर्यवेक्षक कार्यालय कार्यपालन यंत्री, एमआरटी, संभाग-दो, रायपुर को 220 केवी उपकेन्द्र राजिम के अतिउच्चदाब उपकरणों के परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य के लिए, श्री ज्ञानेन्द्र सारथी, लाइन परिचारक(संविदा) अ.उ.दा.निर्माण संभाग बिलासपुर को 132/33 केवी उपकेन्द्र मस्तूरी लाइन के टॉवर इरेक्शन एवं तार खींचने में बाधित समस्याओं के निराकरण के लिए, श्री संजय कौशिक, कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन कार्यालय कार्यपालन अभियंता, उपकेन्द्र जगदलपुर को लेखा प्रशिक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया।

» क्षेत्रीय पुरस्कार : वितरण कंपनी

वितरण कंपनी में प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर द्वारा 10 विद्युत कर्मियों को सम्मानित किये गये। सम्मानित होने वाले कार्मिकों में श्री सुनील कुमार खरे, अधीक्षण अभियंता, भंडार एवं क्रय (रायपुर), श्री दुर्गेश कुमार जाटवर, कनिष्ठ अभियंता (कोटगढ़, अकलतरा), श्रीमती अंजूलता गोयल, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक, मानव संसाधन (रायपुर), श्री जितेन्द्र जैन, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक क्षेत्रीय कार्यालय(दुर्ग) तथा भानुप्रतापपुर वितरण केन्द्र के छह लाइन परिचारक श्री भोजराम लोधी, श्री लालचंद साहू, श्री बलराम नेताम, श्री बहुर सिंह लाटिया, श्री खिलेश्वर एवं श्री ओमप्रकाश स्वर्ण शामिल हैं।

अपडेट्स

पीएम कुसुम योजना से छत्तीसगढ़ में 374 मेगावॉट सौर ऊर्जा का मार्ग प्रशस्त

प्रधान मंत्री कुसुम योजना भारत सरकार की वह अद्भुत पहल है जो किसानों और खेती को सौर ऊर्जा के फायदों से जोड़ती है। खेतों पर सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने के लिये भारत सरकार आकर्षक सब्सिडी देती है। कुसुम A एवं C विकेंद्रीकृत सोलर पॉवर प्लांट,ऑन ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट लगाने के लिये है तथा कुसुम B ऑफ ग्रिड है। बंजर और अनुत्पादक भूमि व खेतों में सोलर प्लांट लगाने एवं ग्रिड से जुड़ाव होने से अतिरिक्त सौर ऊर्जा बेचकर भी किसानों को अतिरिक्त आमदनी होती है। किसान भाइयों की सर्वाधिक रूचि के कारण " पीएम कुसुम A" के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 330 मेगावॉट क्षमता के सोलर पॉवर प्लांट लगाने का लक्ष्य मिला है ।निविदा प्रक्रिया में राज्य को आशातीत सफलता मिली और 434 मेगावॉट के प्रस्ताव मिले। पूर्व लक्ष्य 330 मेगावॉट के एलओए (LOA) जारी किये गये, जिनमें कार्य प्रारंभ हुआ और 7 मेगावॉट के प्लांट प्रचलन में आ भी चुके हैं।पूरी आशा है कि मार्च 2026 तक 330 मेगावॉट का लक्ष्य हासिल कर लिया जायेगा। कुसुम C के अंतर्गत 10 हजार कृषि पंपों के फीडर लेवल सोलराइजेशन का लक्ष्य भारत सरकार ने दिया था, जिनकी क्षमता 44 मेगावॉट है। इस योजना के तहत भी लक्ष्य पूर्ति के प्रयास प्राथमिकता से किये जा रहे हैं।

क्षेत्रीय मुख्यालयों तथा बिजली घरों में स्वतंत्रता दिवस समारोह



रायपुर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र

रायपुर क्षेत्र शहर एवं ग्रामीण के मुख्यालय गुढ़ियारी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री संदीप कुमार, कार्यपालक निदेशक द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं विद्युत कम्पनियों के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के संदेश का वाचन किया गया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा जन समूह को हार्दिक शुभकामनायें दीं।

समारोह में रायपुर शहर क्षेत्र से उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कार हेतु चयनित कर्मियों सर्वश्री कुसुनाकर शुक्ला कार्या सहा श्रेणी एक, पुष्पेन्द्र कुमार निषाद परि श्रेणी-एक (लाइन). अजय सिंह-लाइन परिचारक (संविदा), डी राजा राव परीक्षण सहायक श्रेणी-दो, सुश्री रूपा देवी राजेश्वर-सहायक अभियता, अमित सिह लाइन सहायक श्रेणी-दो, प्रवीण कुमार दिल्लीवार-लाइन सहायक श्रेणी-दो, दिनबंधु यादव-लाइन सहायक श्रेणी-दो श्रीमती शमीम अख्तर कार्या सहा श्रेणी-एक, एकल साहू- कार्या. सहा. श्रेणी-तीन राजेश कुमार-परि श्रेणी-एक (लाइन) नरेश सिंह राजपूत लाइन सहायक श्रेणी-दो को विद्युत कम्पनी की ओर से देय पदक और प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान किया गया। इसी प्रकार रायपुर ग्रामीण क्षेत्र से सर्वश्री भोज राम-लाइन सहायक श्रेणी-एक जयप्रकाश नवरत्न-परि श्रेणी-एक (लाइन) भुवनेश्वर सिंह राठौर-लाइन परिचारक (संविदा), पलनी मुगम-लाइन सहायक दो रामकुमार रजक लाइन सहायक श्रेणी-दो भरत लाल निषाद परि श्रेणी-एक (लाइन), संतोष कुमार गौड परि श्रेणी एक (लाइन) गैद राम गिहरे-तकनीशयन वितरण, प्रीतम बाघ लाइन सहायक श्रेणी-दो भिनश्वर लाइन परिचारक (संविदा), दीपक देवागन- कार्या सहा श्रेणी तीन, राजेन्द्र कुमार साह कार्या सहा श्रेणी-तीन को को विद्युत कम्पनी की ओर से देय पदक और प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य हेतु विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में श्री संदीप कुमार वर्मा, कार्यपालक निदेशक, श्री के एस. भारती अति मुख्य अभियंता अधीक्षण अभियंतागण सर्वश्री अशोक खण्डेलवाल, महावीर विश्वकर्मा, महेश ठाकुर, अरविंद कुमार निगम सहित अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। श्री के. एस. भारती अति मुख्य अभियता द्वारा आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्रीमती मनीषा डे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वश्री एसएन नायडू, विनय शंकर मिश्रा, दीपक देवांगन, राजेन्द्र कुमार वर्मा सहित विभिन्न कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

रायगढ़ क्षेत्र



रायगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य अभियंता श्री मनीष तनेजा द्वारा ध्वजारोहण कर अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्यों हेतु अनुभाग अधिकारी श्री अनिल कुमार गजघाटे, परीक्षण सहायक श्रेणी एक श्री तेजराम पटेल, भृत्य श्रीमती लता पांचाल, ला.परि. श्रेणी-एक श्री आशीष टोप्पो, ला.सहा.श्रेणी-दो श्री सानंद कुमार देवांगन, परिचारक श्रेणी-एक (लाइन) श्री संजय कुमार सायसेर,ला.परि.श्रे.दा श्री मंजू उर्फ महेन्द्र कुमार रात्र, परिचारक श्रेणी-एक (ला.) श्री संजीव कुमार कुर्रे, परिचारक श्रेणी-एक (ला.) श्री पुष्पेन्द्र कुमार चंद्रा, अनुभाग अधिकारी श्री योगेश कुमार सिंह, ला सहा श्रेणी दो श्री योगेश कुमार सिंह, ला. सहा. श्रेणी दो श्री गजेन्द्र कुमार धोबी, लाइन. परि (संविदा) श्री भागवत प्रसाद चंद्रा, परि. श्रेणी- एक श्री भुवनेश्वर कश्यप, ला. परि श्री शिवेन्द्र दास महंत को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। समारोह में श्री व्ही.पी. पटेल, अधीक्षण यंत्री (कार्या.), श्री गुंजन शर्मा, अधीक्षण यंत्री (रायगढ़ वृत्त) एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

अम्बिकापुर क्षेत्र



मुख्य अभियंता श्री यशवंत शिलेदार ने ध्वजारोहण कर अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर अम्बिकापुर क्षेत्रांतर्गत मानचित्रकार श्री जेपी पटेल, ला. सहा. श्रेणी दो श्री सुरिल बली, ला. सहा. श्रेणी दो श्री राजेश कुमार कौशिक, कार्य सहा श्रेणी एक श्री आशीष कुमार हीरा, ला. सहा. श्रेणी दो श्री राधेश्याम विश्वकर्मा, लाइन परिचारक संविदा श्री वाल्मिक राम, लाइन परिचारक श्रेणी एक श्री सूरज मिंज, लाइन परिचारक संविदा श्री देवकुमार, लाइन परिचारक संविदा श्री पंकज कुमार गिरी, लाइन परिचारक संविदा श्री मनोज कुमार, ला. सहा. श्रेणी दो श्री अमरजीत राम, कार्या सहा श्रेणी तीन श्री अनुप सेराज केरकेट्टा पुरस्कृत हुए।

जगदलपुर क्षेत्र

जगदलपुर क्षेत्र में कार्यपालक निदेशक श्री टी. के. मेश्राम ने ध्वजारोहण



पश्चात अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर लाइन सहायक श्रेणी-दो श्री भोजराज लोधी, लाइन परिचारक श्रेणी-दो श्री लालचंद साहू, परिचारक श्रेणी-दो (लाइन) श्री बलराम नेताम, परिचारक श्रेणी-तीन (लाइन) श्री बहुर सिंह लाटिया, परिचारक लाइन (संविदा), श्री खिलेश्वर, परिचारक लाइन (संविदा) श्री ओमप्रकाश स्वर्ण को पुरस्कृत किया गया। क्षेत्रीय स्तर पर पुरस्कार हेतु चयनित कर्मचारी परि, श्रेणी-एक(लाइन), श्री बिरबल भास्कर, परिचारक लाइन श्री रामनाथ दर्रो, परि, श्रेणी-तीन(लाइन) श्री नगेन्द्र कुमार, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक श्री शिवेन्द्र साक्षी, परि, श्रेणी-एक(लाइन) श्री बल्लूराम कश्यप, तकनीशियन श्री जगदम्बा केशरी, लाइन सहायक श्रेणी-दो श्री कृष्णा राम पटेल, लाइन सहायक, श्रेणी-एक श्री बसंत कुमार यादव, कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन श्री दीपेश कुमार यादव, कनिष्ठ यंत्री श्री विजेन्द्र कुमार, लाइन परिचारक श्रेणी-एक श्री विनोद कुमार नाग, कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन श्री लिंगेश्वर को उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एके गुप्ता, अधीक्षण अभियंता एनके पोयाम, कार्यपालन अभियंता मो. सलीम खान, एसके खेस्स, एनके मांझी, अमर भगत, डीएस कतलाम, बीआर नाग, थानसिंह उईके, विष्णु मरकाम, हेमंत कुमार टोप्पो, हिलोन कुमार ध्रुव, संजीव मिंज, जीके ठाकुर, सहायक अभियंता सर्वश्री फणेश्वर यादव, पुष्पा वर्मा, लेखाधिकारी रूपेश नाग, प्रशासनिक अधिकारी एसआर नेताम, श्रीमती सुलभा चौधरी, अनुभाग अधिकारी केके जार्ज, आरपी धुरव, मंगल सिंह ठाकुर एवं केशव कुंभरे उपस्थित थे एवं कार्यक्रम में मंच का संचालन एवं आभार व्यक्त गणेश्वर राम ध्रुव, सहायक विधि अधिकारी द्वारा किया गया।

राजनांदगांव क्षेत्र



राजनांदगांव क्षेत्रीय मुख्यालय में कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 विद्युतकर्मियों क्रमशः सर्वश्री रविन्द्र सिंह ठाकुर, सहायक अभियंता, सहसपुर लोहारा उपसंभाग, चेतन लाल सिहारे, कनिष्ठ अभियंता, बुंदेली वितरण केन्द्र, कीर्ति कुमार देशमुख, कनिष्ठ अभियंता ईस्ट जोन राजनांदगांव, चिरंजीव कुमार नायक, कनिष्ठ अभियंता, खुज्जी वितरण केन्द्र, अनिल मिंज, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक, कार्यपालक निदेशक कार्यालय राजनांदगांव, गजानंद जंघेल, कार्यालय सहायक-तीन, वृत कार्यालय राजनांदगांव, मुन्नाराम जंघेल, लाइन सहायक श्रेणी-दो, वितरण केन्द्र डोंगरगढ़ ग्रामीण वितरण केन्द्र, मनोजपुरी गोस्वामी, लाइन परिचारक श्रेणी-एक, टेस्टिंग पंडरिया, निलेश पुरी गोस्वामी, लाइन परिचारक (संविदा), क्षेत्रीय भंडार कवर्धा, राकेश कुमार साहू, लाइन परिचारक (संविदा), चिल्फी वितरण केन्द्र, संजय कुमार जंघेल, लाइन परिचारक (संविदा) एवं तुलस राम आलेन्द्र, परिचारक श्रेणी-दो, खुज्जी वितरण केन्द्र, को प्रशस्ति पत्र, चेक और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर अतिरिक्त मुख्य अभियंता मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री शंकेश्वर कंवर, के. सी. खोटे, कार्यपालन अभियंता, एम. के. साहू, एन.के. साहू, आलोक दुबे, रविकांत शर्मा, श्रीमती कांति नेताम सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री धर्मेन्द्र शाह मंडावी द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव जिला स्तर पर उष्कृट कार्य हेतु विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा श्री चिरंजीव कुमार नायक, कनिष्ठ अभियंता, खुज्जी वितरण केन्द्र एवं श्री प्रशांत कुमार नेताम, कनिष्ठ अभियंता, सड़क चिरचारी वितरण केन्द्र को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया।

बिलासपुर क्षेत्र



बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के.अम्बस्ट ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर बिलासपुर क्षेत्र के 17 कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। सर्वश्री राजेन्द्र कुमार कौशिक, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक, अब्दुल अजीम दाद खान, कनिष्ठ अभियंता, सैय्यद सलीम, अनुभाग अधिकारी, राजेश कुमार सेन्द्रे परि.श्रेणी-एक, गजानंद गुप्ता, ला.सहा.श्रेणी-दो, विजय कुमार सिंह, परि. श्रेणी-एक, श्री बिशुन लाल सूर्यवंशी ला.सहा.श्रेणी-एक, भागेश्वर प्रसाद मंडावी, परीक्षण सहा. श्रेणी-एक, फागुराम केंवट, परि.श्रेणी-एक, अजय कुमार श्रीवास, कार्या.सहा.श्रेणी-दो, लक्ष्मी प्रसाद यादव, परि.श्रेणी-एक, राजेश कुमार साहू, कार्या. सहा.श्रेणी-एक, अजय कुमार गुप्ता, परि.श्रेणी-एक, को पदक, प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक राशि से सम्मानित किया गया। श्री मुकेश माथुर प्रकाशन अधिकारी, हितेश कुमार सहायक अभियंता, उपेन्द्र साहू कनिष्ठ अभियंता, अंकित गुप्ता कनिष्ठ अभियंता को वृक्षारोपण महोत्सव में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्रीमती कल्पना घाटे, अति. मुख्य अभियंता श्री डी.के.भोजक, अधीक्षण अभियंता श्री जी.पी.सोनवानी, श्री सुरेश जांगड़े, श्री पी.आर.साहू, श्री डी.पी.बारवा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

दुर्ग क्षेत्र



मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर श्री खंडेलवाल द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले दुर्ग क्षेत्र में पदस्थ 12 कर्मचारियों यथा कार्यालय सहायक श्रेणी एक श्रीमती पुष्पा रात्रे एवं सर्वश्री राजेन्द्र सिंह, परिचारक श्रेणी एक(लाइन) गिरधर लाल साहू एवं राजू शर्मा, लाइन सहायक श्रेणी एक शोभा राम पटेल, परीक्षण सहायक श्रेणी दो वाय दामोदर राव एवं रामानुज साहू, लाइन सहायक श्रेणी दो नोहर लाल निर्मलकर, संतोष कुमार, नारायण प्रसाद देशमुख एवं मनुज कुमार निषाद तथा दफ्तरी अश्विनी कुमार साहू को रजत पदक, प्रोत्साहन राशि, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एच.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता द्वय एस.मनोज एवं सलील कुमार खरे सहित दुर्ग क्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा कनिष्ठ अभियंता श्री उत्तम कुमार सोनी को पुरस्कृत कि या गया। वृक्षारोपण 2025 में विशेष योगदान हेतु लाइन सहायक श्रेणी दो श्री योगेश्वर प्रसाद पटेल एवं श्री कन्हैया लाल साहू, सुन्दर फोटो अपलोड करने की प्रतियोगिता में प्रकाशन अधिकारी श्रीमती माया चन्द्राकर को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उप-केन्द्र बिलासपुर



कार्यालय कार्यपालक निदेशक (उप-केन्द्र) पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी बिलासपुर में कार्यपालक निदेशक श्रीमती कल्पना घाटे द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के संदेश का वाचन किया गया। कार्यक्रम में एस.के. दुबे, अति.मुख्य अभियंता, श्री गौतम केनार, अधीक्षण अभियंता (उप-केन्द्र)वृत्त बिलासपुर, श्रीमती शिखा सिंह, सर्वश्री जी.एल. धर कार्यपालन अभियंता, ए.जे.सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, एवं के.श्रीनिवास, निज सहायक सहित कई अधिकारी तथा कर्मचारी गण उपस्थित हुऐ। श्रीमती घाटे द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में अपना योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल ने ध्वजारोहण कर अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के संदेश का वाचन किया गया।

श्री कंसल ने कार्यपालन अभियंता श्री बसंत राणा, वरिष्ठ रसायनज्ञ श्रीमती विभा करनाल, सहायक अभियंता श्रीमती संध्या रानी, संयंत्र सहा. श्रेणी-एक श्री होमन सिंह को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह् से सम्मानित किया गया। स्थानीय स्तर पर 38 एवं वृक्षारोपण के लिए 6 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। 32 ठेका कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के



लिए स्मृति चिन्ह के साथ समृद्धि प्रोत्साहन से भी सम्मानित किया गया। साथ ही 6 प्रतिभावान बच्चों को उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान एवं विद्युत गृह विद्यालय से आये हुए 8 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। दो कर्मियो को संरक्षा जागरूकता अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। साथ ही सेवानिवृत्ति होने वाले दो अधिकारी को लाईफ टाइम अचिवमेंट सम्मान से सम्मानित किया गया। विभागीय तौर पर संयंत्र के 14 समूहों को ग्रुप अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कारखाना प्रबंधक श्री सुनील सरना, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं श्री राजा बाबू कोसारे, श्रीमती राजेश्वरी रावत, वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी, प्रेरणा महिला मण्डल की अध्यक्षा अल्का कंसल, श्रीमती अनु सरना, श्रीमती विभा कुरनाल, श्रीमती पूनम भगत, श्रीमती भारती खरे, श्रीमती रजनी अग्रवाल, श्रीमती रश्मी साहू, श्रीमती सीमा राजपूत, श्रीमती कादम्बरी राणा, श्रीमती गीता पैकरा उपस्थित थे।

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा



अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया ने ध्वजारोहण किया। उत्तम कार्य निष्पादन के लिए राज्य स्तर पर सहायक अभियंता सतीश कुमार रस्तोगी पुरस्कृत किये गये। क्षेत्रीय स्तर पर कार्यपालन अभियंता श्री ईमिल तिग्गा, श्री मुकेश कुमार पटेल, श्री रविश कुमार, सहायक अभियंता श्री चंद्रशेखर पटेल एवं श्री अभिजीत मावलंकर और कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री रामचंद्र को पुरस्कृत किया गया। स्थानीय स्तर पर 69 अधिकारियों व कर्मचारियों और 39 ठेकाश्रमिकों को पुरस्कृत किया गया।

इस समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एसडी द्विवेदी, आरएल ध्रुव, एके शाह, आरके साव, एन. लकरा और आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि कोसरिया एवं महिला मंडल की पदाधिकारी समेत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालन कल्याण अधिकारी श्री आरएस टेकाम ने किया।



धरदेही में 400 केवी ग्रिड उपकेंद्र ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा धरदेही में प्रदेश के पांचवे 400 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना का कार्य 26 जुलाई को पूर्ण कर प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला के हाथों ऊर्जीकृत किया गया। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिये मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, प्रमुख सचिव तथा पारेषण कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह तथा ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव ने ट्रांसमिशन कंपनी को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य गठन के समय 400 केवी का सिर्फ एक उपकेंद्र था, अब इनकी संख्या 5 हो गई है ।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 400 केवी क्षमता के अत्याधुनिक एवं उच्च तकनीक से सुसज्जित स्वचालित उपकेंद्र संचालन प्रणाली पर आधारित ग्रिड सबस्टेशन, धरदेही (बिलासपुर) जिला मुंगेली, में ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेंद्र में स्थापित 400/220 केवी ट्रांसफॉर्मर की क्षमता 2×315 (630) एमवीए, 220/132 केवी ट्रांसफॉर्मर की क्षमता 2×160 (320) एमवीए तथा वोल्टेज नियंत्रक 400 केवी लाइन रिएक्टर की क्षमता 2×50 एमवीए है।

इसके चार्ज होने से बिलासपुर, भाटापारा, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर-चांपा, अंबिकापुर, बलौदा बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों को उच्च गुणवत्ता एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

धरदेही ग्रिड सबस्टेशन का संचालन न केवल क्षेत्रीय ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड की 2×660 मेगावॉट क्षमता वाली सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट परियोजना से उत्पादित विद्युत के सुरक्षित और कुशल ट्रांसमिशन हेतु एक केंद्रीय कड़ी के रूप में भी कार्य करेगा, साथ ही इस उपकेंद्र की सीधी कनेक्टिविटी पावरग्रिड के बिलासपुर स्थित 765 केवी सबस्टेशन से भी हो जाएगी। 400 केवी सबस्टेशन धरदेही राज्य के भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु केंद्रीय प्रणाली से आयातित करने की क्षमता (इम्पोर्ट एटीसी) में पर्याप्त वृद्धि सुनिश्चित करेगा। इस सबस्टेशन के माध्यम से विद्युत उत्पादन को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सुचारु रूप से प्रवाहित किया जाएगा, जिससे ग्रिड स्थिरता और ऊर्जा उपलब्धता दोनों को मजबूती मिलेगी।

इस उपकेंद्र का निर्माण निविदा प्रक्रिया से चयनित मेसर्स टेक्नो इलेक्ट्रिक कंपनी लिमिटेड कोलकाता के माध्यम से कराया गया। संबंधित 400 केवी लाइनों के निर्माण का कार्य मेसर्स एल एंड टी कम्पनी के द्वारा करवाया जा रहा है। इस परियोजना के तहत ऊर्जीकृत किए गए उपकेंद्र एवम् लाइनों के निर्माण की कुल लागत लगभग 176 करोड़ रुपये है।

इस अवसर पर सीएसपीटीसीएल एवं सीएसपीडीसीएल के कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री के. एस. मनोठिया, श्रीमती ज्योति नन्नौरे, वी. के. दीक्षित, कल्पना घाटे, ए. के. अंबस्ट, मुख्य अभियंतागण सर्वश्री संजय तिवारी, अब्राहम वर्गीज, अधीक्षण अभियंतागण सर्वश्री वी.ए.देशमुख, करुणेश कुमार यादव, पुष्पा पिल्लई, पी.नेताम, वीबीएस कंवर, कार्यपालनगण अभियंता सर्वश्री कंचन हिशीकर, मैरियन बारा, गणेश जायसवाल, एस.एस. घोष, जे.एल.उराव, यू.के.यादव, एच.के.देवांगन, जे.एल.साहू, सुधांशु त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



"400 केवी नेटवर्क का विस्तार पारेषण प्रणाली के सतत् उन्नयन तथा भावी जरूरतों के लिए हमारी ठोस तैयारी का प्रतीक है। प्रदेश का पांचवा 400 केवी उपकेन्द्र धरदेही मील का पत्थर बन गया है।

▪ **सुबोध कुमार सिंह** IAS
अध्यक्ष- सीएसपीटीसीएल

कुरूद-राजिम में पारेषण तंत्र के बड़े कार्य

- **राजिम के लिए बहुप्रतीक्षित 220 केवी सेकंड सर्किट ऊर्जीकृत**
- **राजिम के 220 केवी सब-स्टेशन की क्षमता 320 एमवीए**
- **रायपुर-कुरूद टॉवर स्थापना से रेल्वे एवं एनटीपीसी परियोजनाओं की बाधा खत्म**
- **ट्रांसमिशन कंपनी ने अपने संसाधन और कर्मियों की दक्षता से पूरे किये कार्य**



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने 17 जुलाई 2025 को प्रदेश के विकास के लिए जरूरी चार बड़े और बहुप्रतीक्षित कार्यों को पूरा करने में सफलता हासिल की है। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि इनमें कुरूद के 400 केवी सबस्टेशन से राजिम के लिए 220 केवी की लाइन और राजिम के 220 केवी सब-स्टेशन की क्षमता 320 एमवीए करना शामिल है। इसके साथ ही राजधानी रायपुर से कुरूद तक नई ब्राडगेज रेलवे लाइन में आ रही रूकावट को दूर करने दो नए टॉवर खड़े करने का कार्य पूरा किया गया। इसी तरह एनटीपीसी के कोयला खदान के लिए जा रही 132 केवी लाइन का ढाई साल से अटका कार्य पूरा कर लिया गया।

इनमें से दो कार्यों को कंपनी ने टर्न-की कांट्रेक्ट के बजाय लेबर कांट्रेक्ट से पूरा किया, जिसमें कंपनी के भिलाई स्थित वर्कशॉप में टॉवर का निर्माण किया गया और उसे सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इसमें केवल ट्रांसफार्मर, ब्रेकर और अन्य उपकरण क्रय किये गए। इससे कार्य की लागत 25 प्रतिशत तक घट गई।

साथ ही राजधानी से कुरूद तक रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजर रही 132 केवी लाइन की ऊंचाई 12.5 मीटर से कम थी, जिससे रेलवे ट्रैक का काम अटक गया था। एक महीने से भी कम समय में विभाग के अधिकारियों ने अपने संसाधन से दो नए टॉवर स्थापित करके इसकी ऊंचाई 15 मीटर से अधिक कर दी गई है। इस कार्य के पूरा होने से रेलवे के कार्य में गति आएगी, जिसे दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है।

प्रबंध निदेशक श्री शुक्ला ने कुरूद में 400/220 केवी सबस्टेशन में राजिम के लिए बहुप्रतीक्षित 220 केवी सेकंड सर्किट को ऊर्जीकृत किया। इस लाइन के चालू होने से राजिम के लिए स्थापित विद्युत तंत्र सुदृढ़ हुआ है, जिसका सीधा लाभ इस क्षेत्र के लगभग पचास हजार से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं को होगा। एनटीपीसी को कोयला परिवहन के लिए बिलासपुर से कोंडातराई जुड़ा तक 132 केवी की स्वतंत्र लाइन की आवश्यकता था, इसमें लगभग 39 करोड़ रुपए की लागत से 24.5 किलोमीटर लाइन तैयार हो चुकी थी, परन्तु केवल आधा किलोमीटर का हिस्सा ग्रामीणों की आपत्ति के कारण ढाई साल से अटका हुआ था। जब काम चलता था तब ग्रामीण विरोध करने पहुंच जाते थे। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बाद इस बचे हुए हिस्से का कार्य पूरा करने का मार्गप्रशस्त हुआ और पर्याप्त पुलिस बल की उपस्थिति में इसे पूरा किया गया।

इस कार्यक्रम में राजिम में 220 केवी 160 एमवीए की दूसरी इकाई का भी ऊर्जीकरण सम्मिलित है जो महासमुंद, गरियाबंद, कुरूद, धमतरी एवं आसपास क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री संजय पटेल, केएस मनोठिया, श्रीमती ज्योति नन्नौरे, एमएस चौहान, वीके दीक्षित, मुख्य अभियंता अब्राहम वर्गीस उपस्थित थे।

श्री के.एस.मनोठिया बने अ.भा. विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक(पीसी एंड आरए) श्री के.एस. मनोठिया ने 1 अगस्त को अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण किया। वर्ष 2025 की वार्षिक बैठक में श्री मनोठिया छत्तीसगढ़ से इस पद के लिए पहली बार चुने गये। वह लम्बे समय से शीर्ष पद पर कार्यरत श्री सुरेश कैमल की जगह कार्य करेंगे। वार्षिक बैठक रायपुर में संपन्न हुई,जहां वर्ष 2025-26 के वार्षिक खेल कैलेंडर के साथ वार्षिक आडिट की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। अभा विद्युत नियंत्रण बोर्ड में कुल 15 सदस्य राज्य की विद्युत कंपनियां जुड़ी हैं जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के विद्युत कर्मियों को मंच प्रदान करना है।

अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड द्वारा यह 47वां खेल आयोजन होगा।जिसके तहत 13 खेल गतिविधियों के लिए 12 राज्यों की विद्युत कंपनियों को आयोजन का कार्य सौंपा गया है।इस बार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी को बैडमिंटन स्पर्धा की मेजबानी का अवसर मिलेगा, जो सितम्बर में होगा।



प्रशासनिक कसावट के लिए एम.डी. डिस्कॉम का मैदानी इलाकों में सघन दौरा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने प्रदेश में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए मैदानी अमले को पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मैदानी अमले में प्रशासनिक कसावट लाने के लिए सघन दौरा व औचक निरीक्षण कार्य आरंभ किया है, जिसके तहत वे बस्तर से अंबिकापुर तक के विभिन्न स्तरों पर कार्यालयों का दौरा कर रहे हैं, इसमें धुरनक्सल प्रभावित क्षेत्र से लेकर सघन वनाच्छादित पहाड़ी क्षेत्र भी शामिल हैं। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को कर्तव्य में लापरवाही मिलने पर तत्काल निलंबित भी किया है।

फील्ड में ली एई-जेई की बैठक

डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री कंवर ने 30 जुलाई 2025 को बलौदाबाजार जिले के बिजली दफ्तरों का औचक निरीक्षण किया। श्री कंवर ने बलौदाबाजार वृत में एई जेई की मीटिंग ली और विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। एमडी श्री कंवर ने वहां विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने वहां के कार्यपालन अभियंता कार्यालय (प्रोजेक्ट) एवं संचारण संधारण संभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिये। उन्होंने ट्रांसफार्मर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये स्टोर से संपर्क बनाये रखने और खराब ट्रांसफार्मर सुधारने तत्काल भेजने कहा।

लापरवाही पर निलंबन

श्री कंवर बलौदाबाजार और कसडोल क्षेत्र के मैदानी इलाकों में भी विद्युत व्यवस्था देखने पहुंचे। लवन उप संभाग के कोल्हिया गांव में पुरानी बिजली लाइनों के रखरखाव पर नाराजगी जताते हुए वहां सहायक अभियंता श्री उमाशंकर साहू को निलंबित करने के निर्देश कार्यपालक निदेशक (रायपुर ग्रामीण) को दिये। साथ ही कसडोल के मड़वा गांव में बिजली खंभों में केबल की ऊंचाई को लेकर लापरवाही बरतने पर कनिष्ठ अभियंता श्री सूरज खटकर को निलंबित करने के निर्देश एसई बलौदाबाजार को दिये। इस पर अमल करते हुए तत्काल निलंबन आदेश जारी कर दिया गया है तथा निलंबित अधिकारियों को महासमुंद और कसडोल में अटैच किया गया है।

धुरनक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे एमडी

प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर 20 अगस्त को बस्तर के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण के लिए पहुंचे। अपने तीन दिवसीय दौरे पर उन्होंने वनाचंल क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की तकनीकी दिक्कतों को देखा और उनके निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री कंवर ने नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में लागू नियद नेल्लानार योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने उन गांवों में जाकर विद्युत विकास कार्यों का निरीक्षण किया। श्री कंवर ने ग्रामीणों से चर्चा भी की और उन्हें बताया कि सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया


विद्युत कंपनी के एमडी पहुंचे सर्वाधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र पूर्वती

खूंखार नक्सली हिड़मा के गांव तक बिजली पहुंचाने का कार्य शुरू

अतिसंवेदनशील क्षेत्र में विद्युतिकरण कार्य तेज एमडी ने किया निरीक्षण

विद्युत कंपनी की ओर से नियद नेल्लानार योजना से किया जा रहा विद्युतिकरण

ठेकेदार को दिए निर्देश



है। जल्द ही वितरण कंपनी बिजली पहुंचाने का कार्य पूरा कर लेगी। एमडी श्री कंवर ने निर्माणाधीन जगरगुंडा उपकेन्द्र के कार्य का अवलोकन किया। साथ ही 15 दिन में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। नियद नेल्लानार योजना के तहत ग्राम पालनार, अरनपुर,कैंडासावली, कमारगुडा जैसे अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने ग्राम कुवरती एवं दुलेड के निरीक्षण के दौरान ग्राम विद्युतीकरण कार्यों में गति लाने टेंडर फिर से करने के आदेश दिए।

सरगुजा क्षेत्र में सघन दौरा

प्रबंध निदेशक श्री कंवर ने अगस्त के अंतिम सप्ताह में सरगुजा संभाग का सघन दौरा किया। वे अंबिकापुर, बैकुंठपुर, बलरामपुर जिले के विभिन्न गांवों में पहुंचे और ग्रासरूट पर हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अपने अधिकारी-





कर्मचारियों को उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

मौके पर किया आवेदन का निराकरण

उत्तर बस्तर के कोंडागांव जिले में एमडी श्री कंवर ने निरीक्षण के दौरान एक उपभोक्ता की समस्या का मौके पर निराकरण करवाया। जोबा गांव के मुंडीगुड़ा क्षेत्र की आदिवासी महिला लक्षनी बाई को अपने बिजली बिल में नाम परिवर्तन करवाना था, जिसके लिए वे वितरण केंद्र में आवेदन देने पहुंची थी। प्रबंध निदेशक ने तत्काल मौके पर उसके बिजली बिल में नाम परिवर्तन करवाया।



वैदिक ऊर्जा पर कार्यशाला में शामिल हुए एमडी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ''व्यापार में सफलता के लिए वैदिक ऊर्जा का मार्ग'' पर भिलाई स्थित कला मंदिर में मुख्य अतिथि के रूप में आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ब्रह्माण्ड में ऊर्जा ही ऊर्जा है। उसी से सबको ऊर्जा मिलती है। हम जो विचार करते हैं वह ऊर्जा का ही रूप है। हम सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हुए नकारात्मक ऊर्जा को हटाते जाते हैं और इस सकारात्मक ऊर्जा को लक्ष्य की दिशा में फोकस करते हैं तो सफलता सुनिश्चित हो जाती है। चाहे जीवन का कोई भी कार्य हो अपनी शत-प्रतिशत ऊर्जा लगाकर करेंगे तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकेगा। आयोजन छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में शिक्षाविद् श्री आई.पी. मिश्रा एवं वक्ता बिजनेस, एनर्जी गुरु श्री जयंत पांडेय भी उपस्थित रहे।

कंवर ने कहा कि दुनिया अणु परमाणु से ही बनी है। यह बात हजारों साल पहले वैदिक महर्षि कणाद ने कही थी। श्री कंवर ने कहा कि भगवान शंकर ने माता पार्वती को स्वरों का ज्ञान दिया था, ऋषि मुनियों ने और खोजकर इसे जनता के समक्ष लाया। हमारे देश में ऋषि मुनियों ने बहुत सारी खोज की है। यदि व्याख्या करें तो आपने मन में कुछ सोचा, उसे मुंह से बोला और वह ऊर्जा ब्रम्हांड में चली गई। आपने उसको क्रियान्वित किया। ब्रम्हांड में ऊर्जा ही ऊर्जा है। ऊर्जा ना बनती है और ना ही खत्म होती है, ऊर्जा का बस रुपांतरण होता है। जैसे आजकल हम सूर्य की ऊर्जा का उपयोग कर बिजली घर पर उत्पन्न कर घरों को रोशन कर सकते है। ठीक उसी तरह आप अपनी ऊर्जा को अपने तप से सकारात्मक दिशा दें तो आपकी सफलता सुनिश्चित है।

कार्यशाला में पॉवर कंपनी के मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल सहित उद्योगपति एवं व्यापारीगण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।



कर्मशाला संभाग, भिलाई-3

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के अंतर्गत भिलाई-3 में कर्मशाला संभाग स्थित है जो संपूर्ण छत्तीसगढ़ में अति उच्चदाब के पारेषण कार्यों के लिए प्रमुख तकनीकी कार्यों का माध्यम है। इस संभाग की स्थापना वर्ष 1960 में की गई थी। तब मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के समय में संपूर्ण लाइन एवं टॉवरों का काम श्रम अनुबंध (लेबर कान्ट्रेक्ट) के आधार पर संपादित किया जाता था और कर्मशाला से पारेषण एवं वितरण के कार्यों के लिए टॉवर एवं स्ट्रक्चर्स की आपूर्ति की जाती थी।

कर्मशाला संभाग कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत संचालित है। अधिनियम के तहत इसमें श्रमिको की सुरक्षा, कार्य समय, स्वास्थ्य संबंधी प्रावधान, अग्नि सुरक्षा, मशीनरी की नियमित देखरेख एवं पर्यावरणीय मानकों का अनुपालन प्रमुख रूप से शामिल है। पारेषण कंपनी के अस्तित्व में आने के उपरांत कर्मशाला में स्वीकृत ड्राइंग के आधार पर उपलब्ध मशीनों से रॉ मटेरियल एमएस (माइल्ड स्टील) के एंगल्स, रॉड, प्लेट, चैनल्स, गर्डर के कटिंग, पंचिंग, नॉचिंग और वेल्डिंग कर टॉवर एवं स्ट्रक्चर्स तैयार कर संपूर्ण छत्तीसगढ़ में कर्मशाला से निर्गम किया जा रहा है।

यहाँ स्थापित सभी मशीनें लगभग 40 वर्ष से ज्यादा पुरानी है जिनकी मरम्मत निर्धारित समय सीमा में रखरखाव और संरक्षण किया जा रहा है। जिससे फील्ड में टॉवर एवं स्ट्रक्चर्स के मांग की आपूर्ति कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि परियोजना में विलम्ब न हो।

इसी तारतम्य में अगस्त 2021 में लम्बे समय से बंद रखी प्लेट शियरिंग मशीन को उपलब्ध संसाधनों से मरम्मत कर पुनः चालू किया गया इस मशीन के चालू होने से कार्य, उत्पादन और गुणवत्ता में वृद्धि आयी है और एलपीजी एवं आक्सीजन की खपत में कमी आई है।

दिसम्बर 2022 में 30 लाख की लागत से गुजरात से 2 नई हाइड्रालिक नम्बर स्टाम्पिंग मशीन लायी गयी जिससे अब टॉवर एवं स्ट्रक्चर्स के सभी अलग-अलग पार्ट्स में सीएसपीटीसीएल. के स्वीकृत ड्राइंग के आधार पर क्रम संख्या पंच किये जा सकते है। पूर्व में सभी पार्ट्स में सफेद पेंट से क्रम संख्या लिखा जाता था, जो कि कुछ समय में मिट जाता था। नई मशीन के द्वारा क्रम संख्या पंच होने से गुणवत्ता एवं उत्पादन गति में सुधार होने के साथ-साथ अप्रयुक्त स्टील का उपयोग घटा है और स्टील वेस्टेज में कमी आई है जिससे कंपनी की लागत प्रभावशीलता बढी है।

वर्ष 2010 में पारेषण कंपनी के क्रियान्वयन पश्चात् कर्मशाला में 49 नियमित कर्मचारी थे और प्रतिवर्ष की उत्पादन क्षमता औसतन 1800 मेट्रिक टन थी। वर्तमान में 11 नियमित कर्मचारियों के होते हुये भी संभाग औसतन 2000 मेट्रिक टन की कार्यक्षमता पर कार्य करने हेतु तैयार है।

220 केवी उपकेन्द्र राजिम, 132 केवी उपकेन्द्र मस्तूरी के सभी स्ट्रक्चर एवं 220 केवी भाटापारा पॉवर ग्रिड, 132 मस्तूरी मल्हार लाइन के कार्य श्रम अनुबंध के सफलतापूर्वक कर कर्मशाला संभाग ने अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की है।

वर्ष 2024 में आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह में कर्मशाला विभाग को पिछले 10 वर्षों में सर्वाधिक 2153 मेट्रिक टन टॉवर एवं सबस्टेशन स्ट्रक्चर्स के उत्पादन का उल्लेखनीय कार्य करने के लिये श्रेष्ठ संभाग घोषित किया गया।

> "कर्मशाला संभाग तकनीकी उन्नयन, कुशल मरम्मत एवं कार्यदक्षता का वास्तवित उदाहरण है। यह संभाग ट्रांसमिशन कंपनी के टॉवर एवं स्ट्रक्चर्स की मांग की आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कर्मशाला आने वाली सभी बड़ी परियोजनाओं के टॉवर एवं स्ट्रक्चर्स के निर्माण कार्यों के लिए तैयार है।"
>
> 
>
> ▪ **वी. के. दीक्षित**
> **कार्यपालक निदेशक**
> छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी

मड़वा बिजली घर के विस्तार की कवायद

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशकों का दौरा





अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन एवं वितरण कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव (आईएएस), प्रबंध निदेशक उत्पादन श्री एस. के. कटियार, प्रबंध निदेशक वितरण श्री भीम सिंह कंवर 7 अगस्त को एक दिवसीय प्रवास पर रहे।

अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने सभाकक्ष में बैठक ली। बैठक में उन्होंने मड़वा विद्युत संयंत्र की दोनों इकाइयों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्युत संयंत्र की 500-500 मेगावॉट की दोनों इकाइयां बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र ने इंडिपेडेंट पॉवर प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 25वें रेगुलेटरी एंड पॉलिसी मेकर्स रिट्रीट में वर्ष 2012 के बाद स्थापित संयंत्रों के वर्ग में सेकंड रनरअप का अवार्ड प्राप्त किया है। कुशल एवं उच्च दक्षता के साथ संचालन के कारण ही प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप विद्युत संयंत्र में नई विस्तार इकाई लगाए जाने की योजना है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि कर्मठ अभियंता एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा विद्युत इकाइयों का बेहतर तरीके से संचालन किया जा रहा है। भविष्य में भी इसे निरंतर बनाए रखेंगे।

डॉ. यादव द्वारा बैठक में विद्युत संयंत्र की नई इकाई के विस्तार की परियोजना का अवलोकन किया गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अभियंता एवं तकनीकी कर्मचारियों की तैनाती एवं उनके आवास की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने आवासीय परिसर में अभियंताओं एवं कर्मचारियों के लिए जरूरी आवश्यकताओं को रेखांकित करते हुए शिक्षा एवं स्वास्थ्य की अच्छी सुविधा के साथ स्कूल, क्लब, स्वीमिंग पूल बनाने पर जोर दिया। उन्हें संयंत्र संचालन की गतिविधियां एवं कार्यों को पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के जरिए क्रमशः अवगत कराया गया।

बैठक से पहले अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशकों ने विद्युत संयंत्र के रिजर्वायर का अवलोकन किया। यहां पर प्रस्तावित 10 मेगावॉट के संयंत्र की योजना के विषय में उन्हें अवगत कराया गया। यहां 800 मेगावॉट की नई इकाई की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। डॉ. यादव ने कोयला हस्तांतरण क्षेत्र में ट्रैक हॉपर का अवलोकन किया। इसके बाद वे विद्युत संयंत्र के मेन कंट्रोल रूम में पहुंचे, जहां पर विद्युत संयंत्र के संचालन एवं प्रक्रिया को सूक्ष्मता के साथ देखा और समझा।

बैठक के बाद मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया द्वारा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों को शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिरक्त मुख्य अभियंता श्री आरएल ध्रुव, श्री एसडी द्विवेदी, श्री एन. लकरा, श्री आरके साव समेत विभिन्न वृत्तों के अधीक्षण अभियंता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अनवरत विद्युत विकास

» हिर्री



दुर्ग क्षेत्र द्वारा नगपुरा वितरण केंद्र के अंतर्गत स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र(सबस्टेशन) हिर्री में 5 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाकर 11 जुलाई को मुख्य अभियंता श्री एस बी खंडेलवाल द्वारा उर्जीकृत किया गया, जिससे ग्राम हिर्री, सेवती, मढ़ियापार, परसदापार, खर्रा, रोता, टेमरी, हसदा, पाण्डुका, बिरेझर, ढाबा, अंजोरा, नवांगांव, करेली, पूर्दा, छोटे पूर्दा एवं बड़े पूर्दा ग्रामों के लगभग 4200 उपभोक्ता एवं किसान लाभान्वित होंगे। इस कार्य से उपकेंद्र की क्षमता 8.15 एमवीए से बढकर 10 एमवीए हो गई हैं। यह कार्य 52 लाख रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है।इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एस बी खंडेलवाल सहित श्री सलिल कुमार खरे, श्री डी.के.भारती,श्री छगन शर्मा, श्री अविनाश दुबे, श्री डी.के.गजपाल एवं श्री डी.के.साहू उपस्थित थे।

» बीजेभांटा

डोंगरगांव उपसंभाग के ग्राम बीजेभांटा में विद्यमान उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए के नये अतिरिक्त ट्रांसफार्मर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने 19 जून को ऊर्जीकृत किया। 68 लाख 27 हजार रुपये की लागत से स्थापित अतिरिक्त 3.15 एमवीए का पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से 13 ग्रामों के 4120 उपभोक्ता एवं 610 किसान लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री एस. कंवर, कार्यपालन अभियंता, श्री बी.के.उइके, श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री आर पी ठाकुर, श्री एस पी ठाकुर, श्री यशवंत तुमरेकी, कनिष्ठ अभियंता श्री ताम्रध्वज. पिस्दा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।



» पैलीमेटा

खैरागढ़ संभाग के ग्राम पैलीमेटा में 3.15 एमवीए का नया अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित कर कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा 21 जुलाई को ऊर्जीकृत किया गया। पैलीमेटा उपकेन्द्र में 73 लाख रुपये की लागत से स्थापित अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से 21 ग्रामों के 6502 उपभोक्ताओं को फायदा होगा। अब पैलीमेटा उपकेन्द्र की क्षमता 5 एमवीए से बढ़कर 8.15 एमवीए हो गया है। इस अवसर पर ईई परियोजना श्री मुकेश कुमार साहू, ईई खैरागढ़ संभाग श्री ए.के. द्विवेदी, ईई एसटीएम श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्रीमती किरण जांगड़े, सुश्री ममता कर्मकार अन्य उपस्थित थे।



» पिपरिया

कबीरधाम जिले के ग्राम पिपरिया में विद्यमान 33/11 केवी उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता को बढ़ाकर 5 एमवीए के नये पॉवर ट्रांसफार्मर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा 22 जुलाई को ऊर्जीकृत किया गया।



पिपरिया उपकेन्द्र में 64 लाख रुपये की लागत से स्थापित नये पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से ग्राम पिपरिया, खामी, धरमपुर एवं मानिक चौरी के 1578 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

इस अवसर अधीक्षण अभियंता कवर्धा वृत्त श्री रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता परियोजना श्री के. एल.उइके, कार्यपालन अभियंता श्री जी. एस. फ्लोरा, कार्यपालन अभियंता एस.टी.एम श्री एम.के. आर्या, सहायक अभियंता श्री मनीष साहू, श्री संदीप कुमार सोनी, श्री उत्तर कुमार धृतलहरे उपस्थित थे।

» धोधा

मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत 73 लाख रुपये की लागत से धोधा 33/11 केवी सबस्टेशन में 3.15 एमवीए का अतिरिक्त नये पॉवर ट्रांसफॉर्मर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा 23 जुलाई को चार्ज किया गया। इस



उपकेन्द्र की क्षमता बढ़कर 6.30 एमवीए हो गया है। 33/11 केवी सबस्टेशन धोधा में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से ग्राम छिराहीडीह, मजगांव, बाबूर, गोखना, पर्थरा, भुरभुसी, धोधा, बिरनपुरकला, कालेगोंडी एवं हनईबंद के 4233 उपभोक्ता एवं किसानों को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता राजनांदगांव वृत्त शंकेश्वर कंवर, ईई परियोजना श्री मुकेश कुमार साहू, ईई खैरागढ़ संभाग श्री ए.के. द्विवेदी, ईई एसटीएम श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता सुश्री ममता कर्मकार उपस्थित थे।

» बुंदेली



74 लाख रुपये की लागत से बुंदेली 33/11 केवी सबस्टेशन में 3.15 एमवीए अतिरिक्त नये पॉवर ट्रांसफॉर्मर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा 26 जुलाई को ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेन्द्र की क्षमता बढ़कर 13.15 एमवीए हो गया है। 33/11 केवी सबस्टेशन बुंदेली में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से ग्राम कोर्राय, बोराई, पुरैना, कुकुरमुड़ा, भरदागोंड़, विचारपुर, सीनाडबरी, सुराडबरी, बुंदेली, मैन्हर, पण्डरिया, ओटेबंद, तेन्दुभांठा, जोम, उदान, चाराभांठा, ढ़ोड़िया एवं नवागांव लोधी के 5275 उपभोक्ता एवं किसानों को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता राजनांदगांव वृत्त श्री शंकेश्वर कंवर, ईई परियोजना श्री मुकेश कुमार साहू, ईई खैरागढ़ संभाग श्री ए.के. द्विवेदी, ईई एसटीएम श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता सुश्री मदलसा विश्वकर्मा, सुश्री ममता कर्मकार उपस्थित थे।

» मोहगांव



कबीरधाम जिलें के ग्राम मोहगांव में विद्यमान 33/11 केवी उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा 29 जुलाई को ऊर्जीकृत किया गया। मोहगांव उपकेन्द्र में 1 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत से स्थापित नये 3.15 एमवीए का अतिक्ति पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से 13 ग्राम बिसाटोला, गगरिया, खमरिया, झाडूटोला, कोटरा, बुंदेली, मानपुर, भण्डारपुर, मोहगांव, सिंघनगढ़, डोमाटोला, खैरबना, बरगांव, जंगलपुर एवं बीजाबैरागी के 2175 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। मोहगांव उपकेन्द्र की पॉवर क्षमता 05 एमवीए से बढ़कर 8.15 एमवीए हो गया है।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता कवर्धा वृत्त श्री रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता परियोजना श्री केएल उइके, कार्यपालन अभियंता एसटीएम श्री एमके आर्या, सहायक अभियंता श्री मनीष साहू, श्री रविन्द्र सिंह, श्री उत्तर कुमार धृतलहरे उपस्थित थे।

» बिलासपुर

बिलासपुर के शांतिनगर में विद्यमान 33/11 केवी उपकेन्द्र में 19 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त 3.15 एमवीए का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। जिसे कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्ट द्वारा 1 जुलाई को ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेन्द्र की क्षमता अब 8.15 एमवीए हो गई है।



इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री पी.आर.साहू, कार्यपालन अभियंता श्री अनुपम सरकार, श्री सैय्यद मुख्तार, श्रीमती तृप्ति जांगड़े सहायक अभियंता श्रीमती संचारी सिंह, श्रीमती छाया जीनस, श्री प्रमोद चौबे, श्री संजीव केशकर, श्री गिरिश श्रीवास्तव कनिष्ठ अभियंता श्री जे.आर.तामले, श्री देव सिंह कंवर, कु.कल्याणी वर्मा श्री फैजान खान एवं एस.टी.एम. व एच.टी. (मेंटेनेंस) उपस्थित थे।

» खैरझिटी



दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत अहिवारा में स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र खैरझिटी में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता 3.15 एमवीए से बढ़ाकर 05 एमवीए किया गया, जिसे मुख्य अभियंता श्री एस बी खंडेलवाल ने 19 जून को उर्जीकृत किया। इस कार्य से 9 ग्रामों ग्राम खैरझिटी, डिहिपारा, भाटाकोकड़ी, घोटवानी, मुड़पार, धुमा, रौंदा, परसकोल एवं बिरेभाट के लगभग 2100 उपभोक्ताओं एवं किसानों को विद्युत आपूर्ति मिलेगी। यह कार्य लगभग 46 लाख 65 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता वृत्त श्री सलिल कुमार खरे, कार्यपालन अभियंता परियोजना श्री डी.के.भारती, कार्यपालन अभियंता एसटीएम श्री पी.के.पलसोकर एवं कार्यपालन अभियंता अहिवारा संभाग श्री टी.एल.सहारे उपस्थित थे।

श्री सतीश कुमार गजपाल

कार्यपालक निदेशक (आर.ए. एंड पी.एम.)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के आर.ए.एंड पी.एम. (नियामक मामले एवं ऊर्जा प्रबंधन) के कार्यपालक निदेशक के पद पर पदस्थ श्री एस के गजपाल का जन्म 29 फरवरी 1964 को ग्राम मटिया (अर्जुंदा) जिला दुर्ग में हुआ। पिता का नाम स्व. ईश्वर लाल गजपाल एवं माता का नाम श्रीमती गया गजपाल है। उन्होंने वर्ष 1980 में उच्चतर माध्यमिक की परीक्षा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बेमेतरा से एवं बीई (इलेक्ट्रिकल) वर्ष 1987 में शासकीय इंजिनियरिंग महाविद्यालय बिलासपुर से उत्तीर्ण की।

श्री गजपाल को बचपन से ही तकनीकी विषयों में रूचि रही है। उनकी मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में वर्ष 1988 से स्नातक प्रशिक्षु के रूप में एसटीआरई दुर्ग में प्रथम पदस्थापना हुई। वर्ष 1989 में सहायक अभियंता के नियमित पद पर उपसंभाग बीजापुर दक्षिण बस्तर में पदस्थ किये गए। इस पद पर वर्ष 2006 तक विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत रहे। जिसमें प्रमुखतः अदिवासी अंचलों में उन्होंने कार्य किया। यह दौर उनके लिए अनुभव, चुनौतियों और धैर्य का था। बीजापुर में पदस्थ रहते हुए सघन वनांचलों में रात्रि में पैट्रोलिंग कर विद्युत लाइनों में हुक लगाकर जंगली जानवरों का शिकार करने वाले गिरोहों का पर्दाफाश किया। हुकिंग से इन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती थी। इससे बिजली की लाइनों के साथ छेड़छाड़ के साथ साथ मानव जनित ट्रिपिंग की भी समस्या समाप्त हुई। आबंटित कार्य के अतिरिक्त उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत 17 मेन्युअल तैयार किये। जिसके लिए वर्ष 2006 में मण्डल अध्यक्ष द्वारा पुरस्कृत हुए।

वर्ष 2006 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति पर कार्यपालक निदेशक (सं/सं) कार्यालय प्राप्त कर सतर्कता विभाग में पदस्थ किये गये। कार्यपालन अभियंता के पद पर 11 वर्षों तक सेवाएं देते रहें। वर्ष 2017 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति उपरांत कार्यालय कार्यपालक निदेशक परियोजना में पदस्थ किये गये। इसी पद पर वे बलौदाबाजार में भी पदस्थ रहे। वर्ष 2022 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली और आर.ए.एंड पी.एम कार्यालय में पदस्थ किये गए। वर्ष 2023-2024 में श्री गजपाल के अथक प्रयासों से प्रदेश में विद्युत की मांग की आपूर्ति के बाद अतिशेष बिजली (सरप्लस पॉवर) के पॉवर एक्सचेंज में विक्रय से वितरण कंपनी का रुपये 2300 करोड़ अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हुई, जो किसी वर्ष में सरप्लस पॉवर के विक्रय से प्राप्त अधिकतम राशि है इस हेतु उनकी टीम को वर्ष 2024 में कंपनी अध्यक्ष द्वारा पुरस्कृत किया गया। वर्ष 2024 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत हुये तथा मानव संसाधन, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में पदस्थ किये गये। वर्ष 2025 में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नति उपरांत आर.ए. एंड पी.एम विभाग का दायित्व पुनः प्राप्त हुआ।

फुरसत के पलों में वे बागवानी, अध्ययन और पुराने गीत-संगीत का आनंद लेना पसंद करते हैं। यह शौक उन्हें उत्साहित और सक्रिय रखता है। इसके अलावा परिवार का साथ उन्हें मजबूती देते रहा है। पत्नी श्रीमती डॉ. अंजूलता गजपाल उच्च शिक्षित है और एमसीए, एम.फिल और पी.एच.डी कम्प्यूटर साइंस की उपाधि अर्जित कर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर में अध्यापक का कार्य कर रही हैं। ज्येष्ठ पुत्री डॉ. शिल्पा बैकुंठपुर में जिला चिकित्सालय में चिकित्सा अधिकारी हैं और छोटी पुत्री प्रकृति आर्किटेक्ट हैं और स्वतंत्र व्यवसाय कर रही हैं।

श्रीमती चंद्रकला गिदवानी

मुख्य अभियंता (भण्डार एवं क्रय)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में मुख्य अभियंता (भण्डार एवं क्रय) के पद पर पदस्थ श्रीमती चंद्रकला गिदवानी का जन्म 27 जुलाई 1967 में जबलपुर (मध्यप्रदेश) में हुआ। पिता का नाम श्री डी.आर. सुहान्दा एवं माता का नाम स्व. लीलावती सुहान्दा है। पिता श्री सुहान्दा शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज,सागर से प्रिंसिपल के पद से सेवानिवृत्त हुए। माता पिता के मार्गदर्शन में उच्चतर माध्यमिक की परीक्षा वर्ष 1983 में जबलपुर से उत्तीर्ण की। इसके उपरांत उन्होंने वर्ष 1989 में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर से इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त की।

श्रीमती गिदवानी ने वर्ष 1990 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में स्नातक प्रशिक्षु के रूप में सेवा की शुरूआत की। वर्ष 1991 में सहायक अभियंता के नियमित पद पर कार्यालय भण्डार एवं क्रय जबलपुर में पदस्थ की गई। इस पद पर उन्होंने लगभग 5 साल और छह माह की सेवाएं दी तदोपरांत उन्होंने संभाग कार्यालय एसटीआरई सागर एवं नगर वृत्त रायपुर में भी अपनी सेवाएं दी। वर्ष 2006 में ईआईटीसी रायपुर में पदस्थ हुई। इसी वर्ष कार्यपालन अभियंता के पद पर कार्यालय भंडार एवं क्रय रायपुर में पदस्थापना मिली। इस दौरान सैप के एसआरएम, (ई-बिडिंग) मॉड्यूल को प्रारंभ करने की प्रक्रिया में श्रीमती गिदवानी संयोजक की भूमिका में रही तथा ई-बिडिंग से प्रथम ट्रायल टेंडर 2007-08 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यालय में 12 वर्षों तक कार्य करते हुए विशेषज्ञता अर्जित की। इस दौरान केन्द्र की महत्वाकांक्षी योजना हर घर सहज बिजली "सौभाग्य योजना" हेतु मीटर की उपलब्धता निरंतर बनाये रखने प्रयास किया गया ताकि मीटर स्थापना में विलंब न हो। वर्ष 2008 में इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा उत्कृष्ट महिला इंजीनियर के अवार्ड से सम्मानित किया गया। श्रीमती गिदवानी को वर्ष 2018 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली और वे पुनः कार्यालय भंडार एवं क्रय रायपुर में पदस्थ की गई। इस दौरान केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला में मीटर परीक्षण प्रारंभ कराने एवं आटोमेटिक मीटर रीडिंग हेतु माडम, एनर्जी मीटर एवं अन्य सामग्री समय पर खरीदने हेतु उन्हें गणतंत्र दिवस पर पुरस्कृत किया गया। वर्ष 2023 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति उपरांत कार्यालय लाइन, ट्रांसमिशन कंपनी, रायपुर में पदस्थ की गईं। वर्ष 2025 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति का गौरव प्राप्त हुआ और वर्तमान में कार्यालय भंडार एवं क्रय का दायित्व संभाल रहीं हैं। पूरे सेवाकाल में अधिकतम समय भंडार एवं क्रय कार्यालय में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहें। इस क्षेत्र में वृहद अनुभव एवं विशेषज्ञता अर्जित की।

श्रीमती गिदवानी के पति श्री अनिल कुमार गिदवानी बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग में आईआईटी दिल्ली से उपाधि हासिल करने के उपरांत स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं। ज्येष्ठ पुत्री डॉ. नीरजा गिदवानी पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज रायपुर से एमबीबीएस करने के पश्चात् हैदराबाद में स्नातकोत्तर में अध्ययनरत है। पुत्र श्री देवाशीष गिदवानी बीआईटीएस पिलानी हैदराबाद से बीई कर बेंगलोर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है।

खेल सितारा

श्री समीर तिवारी

कार्यालय सहायक श्रेणी एक,
कार्यालय कार्यपालन यंत्री
नगर संभाग
बिलासपुर पश्चिम



मेरी शिक्षा बिलासपुर से हुई और स्कूली छात्र के रूप में एन.सी.सी., खेल एवं कक्षा प्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान बनाई। स्कूली शिक्षा के दौरान मैने पर्वतारोहण का भी प्रशिक्षण प्राप्त किया, एन.सी.सी. में बी सर्टिफिकेट प्राप्त किया एवं नेशनल कैम्प में भाग लिया। बड़ी बहन राष्ट्रीय स्तर की बास्केटबाल खिलाड़ी एवं एन.सी.सी. की कैडेट थी, उनसे प्रेरित होकर खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने की ठानी। महाविद्यालय में मुझे सेकेण्ड ईयर में ही कॉलेज की टेबल टेनिस टीम का कप्तान बना दिया गया।

मुझे मध्य प्रदेश विद्युत मंडल में कार्यालय सहायक श्रेणी तीन के रूप में संचार संधार संभाग पेन्ड्रारोड के अंतगत वितरण केन्द्र कोटा ग्रामीण में पदस्थ किया गया।

कार्य के साथ खेल अभ्यास सबसे बड़ी चुनौती थी। मैं बैडमिन्टन, टेबलटेनिस, लानटेनिस, हॉकी एवं क्रिकेट प्रतियोगिताओं में सक्रियता से भाग लेता रहा। जैसे-जैसे समय बीतता गया मुझे एहसास हुये कि सभी खेल की बजाय एक विशेष खेल पर केंद्रति किया जाये और मेरा प्रिय खेल टेबलटेनिस को मैंने चुना। अंतर क्षेत्रीय स्पर्धा से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना मेरे लिए सौभाग्य और मेरे समर्पण का प्रतीक है।

34 वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश विद्युत मंडल में बिलासपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बैडमिन्टन, टेबलटेनिस, लानटेनिस, हॉकी एवं क्रिकेट प्रतियोगिताओं में किया गया, साथ हि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के गठन पश्चात् ऑल इन्डिया इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड द्वारा नागपुर में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल का प्रतिनिधित्व किया गया। वर्ष 2013-2014 में हैदराबाद में आयोजित टेबलटेनिस प्रतियोगिता, वर्ष 2018 में गुजरात राज्य के बडोदा में आयोजित लानटेनिस प्रतियोगिता,वर्ष मार्च 2019 में रायपुर में आयोजित टेबलटेनिस प्रतियोगिता के साथ दिसंबर 2019 में कलकत्ता पश्चिम बंगाल में आयोजित हाकी प्रतियोगिता,एवं वर्ष 2023 में काकीनाडा आंध्रप्रदेश में आयोजित टेबलटेनिस प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया गया, इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनीज को टीम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था।

मध्य प्रदेश ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड टेबल टेनिस द्वारा लखनऊ में आयोजित दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया और रजत पदक प्राप्त किया।

किसी भी कार्य की सफलता परिवार के सहयोग के बिना संभव नहीं है मेरी धर्मपत्नी डॉक्टर संध्या तिवारी का मेरे जीवन में विशेष सहयोग रहा।

अपडेट्स



कृषि पंपों का ऊर्जीकरण

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंपों के विद्युत लाइन विस्तार हेतु प्रति पंप 1 लाख रु. एवं अधिकतम 1.50 लाख रु. तक अनुदान दिया जा रहा है वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु लक्षित 56,000 पंपों के विरूद्ध 55,718 विस्तार कार्य, वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु लक्षित 20,200 पपों के विरूद्ध 18, 864 एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु लक्षित 5,650 पपों के विरूद्ध 114 पंपों का कार्यपूर्ण हो चुका है एवं शेष पंपों का कार्य प्रगति पर है, जिसे वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।

मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना

वर्ष 2014-15 से योजना प्रारंभ हुई।इस योजनांतर्गत आंशिक रूप से विद्युतीकृत ग्रामों के मजरा -टोला - बसाहटों का विद्युतीकरण किया जा रहा है। अभी तक 13 हजार 500 से अधिक मजरो टोलों के कार्य पूर्ण किया जा चुका है ।

मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना

वर्ष 2012-13 से योजना प्रारंभ की गई। इस योजनांतर्गत प्रदेश में स्थित 14 नगर निगम एवं अन्य नगरीय निकायों में भी बी.पी.एल. कनेक्शन दिये जाने तथा इस हेतु आवश्यक लाईन के विस्तार तक 7 हजार से अधिक कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं ।



बिजली की कहानी 6

उमेश कुमार मिश्र
अतिरिक्त महाप्रबंधक, जनसंपर्क
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

पारेषण क्षमता तथा प्रौद्योगिकी में आशातीत विस्तार

जैसे-जैसे छत्तीसगढ़ में विद्युत उत्पादन बढ़ता गया, वैसे-वैसे विद्युत पारेषण क्षमता बढ़ाने के लिए योजनाएं बनीं और पारेषण तंत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। राज्य गठन के समय पारेषण प्रणाली में ट्रांसफार्मरों की क्षमता मात्र 3,552 एमवीए थी, जो अगस्त 2025 तक बढ़कर 27,660 एमवीए हो गई। अतः यह वृद्धि 678.78 प्रतिशत है। 26 जुलाई, 2025 को 400 केवी क्षमता का पांचवा उपकेन्द्र धरदेही जिला मुंगेली में ऊर्जीकृत किया गया। इसके पहले वर्ष 2020 में कुरूद जिला धमतरी में 400 केवी का विद्युत उपकेन्द्र क्रियाशील किया गया था। अब प्रदेश में 400 केवी उपकेन्द्रों की संख्या 1 से बढ़कर 5, इस क्षमता के ट्रांसफार्मरों की संख्या 3 से बढ़कर 14, 220 केवी उपकेन्द्रों की संख्या 5 से बढ़कर 27, इस क्षमता के ट्रांसफार्मरों की संख्या 12 से बढ़कर 71, 132 केवी उपकेन्द्रों की संख्या 20 से बढ़कर 105 तथा इस क्षमता के ट्रांसफार्मरों की संख्या 46 से बढ़कर 284 हो गई है। इसी प्रकार 400 केवी लाइनों की लंबाई 277 से बढ़कर 1932 सर्किट किलोमीटर, 220 केवी लाइनों की लंबाई 1594 से बढ़कर 4291 सर्किट किलोमीटर तथा 132 केवी लाइनों की लंबाई 2974 से बढ़कर 8318 सर्किट किलोमीटर हो गई है। इस तरह पारेषण क्षमता में विकास के लिए विगत 25 वर्ष एक वरदान की तरह रहे।

अन्य राज्यों में उपलब्ध तथा उत्पादित बिजली प्राप्त करने के लिए केन्द्रीय ग्रिड से हस्तांतरण क्षमता (अवैलेबल ट्रांसफर कैपेसिटी-एटीसी) बढ़ाने की बड़ी भूमिका होती है। राज्य गठन के समय यह क्षमता नगण्य थी जो अब बढ़कर 4510 मेगावॉट हो गई है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ 6000 मेगावॉट एटीसी के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्य सरकार की उदार नीतियों के कारण एक ओर जहां एनटीपीसी तथा निजी विद्युत उत्पादकों ने तेजी से कार्य किया, वहीं दूसरी ओर पॉवर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा पारेषण क्षमता बढ़ाने की दिशा में योगदान दिया गया। आज प्रदेश में कार्यरत 2 एचवीडीसी स्टेशन राज्य की उदार नीतियों का ही परिणाम है।

अंतरराज्यीय संयोजकता

छत्तीसगढ़ वैसे तो देश के पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत मण्डलों में शामिल है तथा इसके सदस्य राज्यों के साथ अन्तर्राज्यीय पारेषण संयोजकता (कनेक्टिविटी) बनाये हुए है। वेस्टर्न ग्रिड के ही सदस्य महाराष्ट्र के साथ छत्तीसगढ़ खेदामारा-वर्धा से जुड़ा है, वहीं डोंगरगढ़-किरनापुर से भी जुड़ा हुआ है। ईस्टर्न ग्रिड से छत्तीसगढ़ कोरबा ईस्ट-बुड़ीपदर (उड़ीसा) से जुड़ा है तो सदर्न ग्रिड से बारसूर-लोअर सिलेरू (आंध्रप्रदेश) से जुड़ा हुआ है। आंध्रप्रदेश से जुड़ाव की कहानी बड़ी रोचक है क्योंकि इसका संबंध देश के पहले एचवीडीसी स्टेशन से है। एचवीडीसी अल्टरनेटिंग करेंट के विकल्प के रूप में डायरेक्ट करेंट को प्रस्तुत करता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि नियंत्रित विद्युत प्रवाह, जबकि अल्टरनेटिंग करेंट वाली प्रणाली में विद्युत निकासी पर कोई तकनीकी नियंत्रण नहीं बन पाता था और ओव्हरड्रावल की शिकायतों से अंतर्राज्यीय पॉवर ट्रांसमिशन का इतिहास भरा पड़ा है।

हाई वोल्टेज डायरेक्ट करेंट (एचवीडीसी)

बिजली के उच्च वोल्टेज पर लंबी दूरी तक पारेषण के लिए पहले सीमित क्षमता में ही काम किया जाता था और अल्टरनेटिंग करेंट से ही ज्यादातर पारेषण होता था। वास्तव में अल्टरनेटिंग करेंट से उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचाने का माध्यम है। काफी लंबे समय तक इसी माध्यम का उपयोग बिजलीघरों से 132 और 220 केवी उपकेन्द्रों और उसके बाद वितरण ट्रांसफार्मरों को बिजली प्रदाय करने के लिए किया जाता था।

उस दौर में अविभाजित मध्यप्रदेश में ताप विद्युत गृहों की अधिकता थी जबकि आंध्रप्रदेश में जल विद्युत का उत्पादन अधिक होता था। दोनों राज्यों के बीच विद्युत प्रणाली के आदर्श समन्वय के लिए छत्तीसगढ़ को जल विद्युत की आवश्यकता थी तथा आंध्रप्रदेश को ताप विद्युत की। लेकिन यह आदान-प्रदान वर्ष में कुछ महीनों के लिए ही किया जाता रहा। जिससे यह परियोजना कालान्तर में वायबल नहीं रह पाई। इस परियोजना में अभियंतागण श्री जी.आनंद राव, श्री धमेंद्र चावड़ा, श्री पीवी सजीव, श्री वी.ए.देशमुख, श्री एल.के.देवांगन तथा लगभग 35 विद्युत कर्मियों की टीम को तैनात किया गया। श्री देशमुख इस







सभी तस्वीरें एचवीडीसी स्टेशन, बारसूर



प्रोजेक्ट में लगभग 6 वर्ष तक कार्यरत रहे। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उस समय के हिसाब से बहुत कठिन तथा दुर्गम स्थान पर था, लेकिन दुनिया की नवीनतम पारेषण प्रौद्योगिकी से जुड़ने का जबरदस्त उत्साह भी था।

वर्तमान में अधीक्षण अभियंता श्री वी.ए. देशमुख ने बताया कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश तथा देश के विभिन्न स्थानों पर क्रमशः अधिक उत्पादन क्षमता के नये-नये बिजलीघर स्थापित हो रहे थे। उस समय नार्दन ग्रिड, ईस्टर्न ग्रिड, सदर्न ग्रिड, वेस्टर्न ग्रिड तथा इसके बाद अन्य ग्रिडों की स्थापना अंतर्राज्यीय पारेषण के लिए होने लगी थी। एसी प्रणाली में सबसे बड़ी दिक्कत समान फ्रिक्वेंसी पर सिंक्रोनाइजेशन की होती थी। कई बार तो फ्रिक्वेंसी मैच कराने पर घंटों का समय लगता था और लोड सेंटर पर समुचित विद्युत प्रदाय में बाधा आती थी। देश में विद्युत पारेषण की



वी.ए. देशमुख
अधीक्षण अभियंता
(ट्रांसमिशन)

नई तकनीक का विकास एचवीडीसी (हाई वोल्टेज डायरेक्ट करेंट) कनवर्टर स्टेशन के रूप में हुआ, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण छत्तीसगढ़ की धरती पर हुआ है। इस प्रोद्यौगिकी को स्वीडन स्थित अंतरराष्ट्रीय कंपनी एशियन ब्राउन ब्रोवेरी (एबीबी) से प्राप्त करने के लिए भारत सरकार की ओर से नेशनल एचवीडीसी संस्था का गठन किया गया है। जिसके लीड पार्टनर भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भेल) सहित भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) सेंट्रल पॉवर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपीआरई), आंध्रप्रदेश राज्य विद्युत मण्डल तथा मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मण्डल बने। एचवीडीसी का उपयोग अंतरराज्यीय पारेषण तंत्र के विकास में करने की आवश्यकता को देखते हुए शोध और विकास के उद्देश्य से यह पहल की गई।

वास्तव में यह भिन्न-भिन्न ग्रिड को जोड़ने वाली परियोजना थी जिसके लिए बतौर सावधानी यह व्यवस्था जरूरी थी कि प्रयोग के विफल हो जाने पर भी पारेषण तंत्र के संचालन में जटिलता उत्पन्न न हो। अविभाजित मध्यप्रदेश के बारसूर (बस्तर जिला) में स्थित तथा आंध्रप्रदेश के लोवर सिलेरू (राजमुंदरी जिला) के मध्य 220 केवी की 196 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय लाइन को इस कार्य के लिए उपयुक्त समझा गया। जिसमें सामान्यतः पॉवर ट्रांसफर निरंतर नहीं होता था।

उल्लेखनीय है कि यह पारेषण लाइन सदर्न ग्रिड तथा वेस्टर्न ग्रिड को जोड़ने का काम करती थी। जिसमें आवश्यकतानुसार आंध्रप्रदेश तथा मध्यप्रदेश में बिजली का आदान-प्रदान होता था। परियोजना के लिए तय कार्यक्रम अनुसार इसे तीन चरणों में करने का लक्ष्य रखा गया था।

प्रथम चरण में. 100 केवी - 100 मेगावॉट, द्वितीय चरण में 200 केवी - 200 मेगावॉट तथा तीसरे चरण में प्लस/माइनस 200 केवी - 400 मेगावॉट की परियोजना स्वीकृत की गई। तदनुसार वर्ष 1986 में कार्य प्रारंभ हुआ तथा वर्ष 1989 में प्रथम चरण का लक्ष्य प्राप्त किया गया। वर्ष 1996 में द्वितीय चरण का कार्य प्रारंभ हुआ और 1999 में पूर्ण हुआ। इस तरह प्रथम चरण में एचवीडीसी के माध्यम से 100 मेगावॉट और द्वितीय चरण में 150 मेगावॉट तक पॉवर के पारेषण में सफलता प्राप्त की गई।

एचवीडीसी पारेषण का मुख्य लाभ यह है कि अल्टरनेटिव करेंट की तुलना में डायरेक्ट करेंट की फ्रीक्वेंसी नहीं होती अतः यह दो ग्रिडों को सिंक्रोनाइज करने की जटिलता का स्थायी





दोनों तस्वीरें 132 केवी स्वचालित गैस इन्सुलेटेड उपकेंद्र, रावणभाठा, रायपुर



नवाचार की विरासत, श्रेष्ठता से भविष्य

पूर्ववर्ती मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के जमाने से ही ट्रांसमिशन विंग की कार्यकुशलता, दक्षता तथा नवाचार देश में अग्रणी स्थान रखते थे। इस तरह छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी को अपने श्रेष्ठ अभियंताओं तथा तकनीकी कर्मचारियों की वजह से बढ़त हासिल थी। यही वजह है कि एचवीडीसी जैसे प्रयोग का गौरव छत्तीसगढ़ को मिला। राज्य गठन के बाद कंपनी को नई प्रोद्यौगिकी अपनाने और तेजी से विकास के जो अवसर मिले उसे परिणाम में बदलने में हम सफल रहे।

ये मेरा सौभाग्य है कि वर्ष 2016 में छत्तीसगढ़ राज्य का पहला 132 केवी गैस आधारित (जी.आई.एस.) उपकेन्द्र, रावण भाटा (रायपुर) के डिजाइनिंग, निर्माण तथा उर्जीकरण कार्यों में मुझे सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिला। इस तकनीक पर अब 3 नग 400 केवी एवं 1 नग 132 केवी उपकेन्द्रों का निर्माण प्रस्तावित है, जो 10 वर्षों पूर्व हासिल की गई सफलता की आज भी प्रासंगिकता का प्रतीक है। हमारे नवाचार की फेहरिस्त काफी लंबी है। छत्तीसगढ़ का पहला 132 केवी अंडरग्राउड केबल 220 केवी उपकेन्द्र डोमा एवं रावणभाटा (रायपुर) के मध्य वर्ष 2016 में संचालित किया गया। 220 केवी मल्टीसर्किट टॉवर लाइन (मोपका-धरदेही-भाटापारा-सिलतरा) का निर्माण वर्ष 2019 में किया गया है। अभी शहर के सघन जनसंख्या एवं सघन वन वाले इलाकों में मल्टी सर्किट टॉवरों का उपयोग लगभग सभी लाइनों पर किया जा रहा है। 3 नग 132 केवी लाइनों के पुराने कंडक्टरों (तारों) को उच्च क्षमता के एचटीएलएस कंडक्टरों से बदलने का कार्य किया गया है एवं 14 नग पारेषण लाइनों में कंडक्टर बदलने का कार्य प्रगति पर है।

लगभग 5265 किलोमीटर लंबी उच्चदाब पारेषण लाइनों में जीआई अर्थ वायर को ऑप्टिक फाइबर ग्राउंड वायर में बदलने का कार्य पूर्ण करवाने में भी पारेषण कंपनी ने सफलतापूर्वक कार्य किया । यह आधुनिकतम संचार प्रणाली द्वारा ईएचटी उपकेंद्रों व भार प्रेषण केंद्र के बीच रीयल टाइम डेटा ट्रांसफर में मदद करती है। पहली बार 400 केवी रायता-कुरूद व रायता-जगदलपुर चालू लाइनों में रायपुर-विशाखापट्टनम हाईवे के निर्माण हेतु टॉवर शिफ्टिंग व हाईट रेजिंग का कार्य ई.आर.एस. (इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम) की मदद से माह सितम्बर-अक्टूबर 2024 में किया गया है। 920.07 मेगावॉट सोलर प्रोजेक्ट को कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। जिनमें 629.28 मेगावॉट के सोलर प्लांट सिंक्रोनाइज किए गये हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की केंद्रीय ग्रिड से पॉवर हस्तांतरण क्षमता वृद्धि हमारी भावी तैयारी का अहम सोपान है। 4 हजार 500 मेगावॉट क्षमता हासिल करना और 6 हजार की ओर बढ़ना भी हमारी प्रमुख उपलब्धि है। अपनी विरासत को सहेजने और आगे बढ़ाने के काम में हम अपनी नई पीढ़ी को भी शामिल करने में सफल रहे हैं। सारी उपलब्धियों में पारेषण कंपनी के प्रतिभावान साथियों की बड़ी भूमिका है।

▪ राजेश कुमार शुक्ला
प्रबंध निदेशक, सीएसपीटीसीएल

समाधान है। इसमें पॉवर ट्रांसफर की मात्रा में नियंत्रण संभव है। एसी के तीन तार के विरूद्ध डीसी का एक तार ही कारगर होता है। इस तरह कॉपर या एल्युमिनियम की मात्रा सहित पारेषण के उपयोग में आने वाले टावर के लोहे में अच्छी खासी बचत होती है। एसी की तुलना में डीसी प्रणाली में पर्यावरण की मदद होती है क्योंकि इसमें टॉवरों की संख्या कम होने के कारण पेड़ों की कटाई अपेक्षाकृत कम होती है।

छत्तीसगढ़ में एचवीडीसी की वर्तमान स्थिति

छत्तीसगढ़ में एचवीडीसी स्टेशन रायगढ़ तथा चांपा में पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा स्थापित किये गये हैं। रायगढ़ में स्थापित 800 के.वी.क्षमता के एचवीडीसी स्टेशन से रायगढ़-पुगलूर के बीच विद्युत पारेषण की सुविधा है। यह दक्षिण भारत में विद्युत पारेषण का माध्यम है। चांपा में स्थापित 800 के.वी. का एचवीडीसी स्टेशन चांपा-कुरूक्षेत्र (हरियाणा) के बीच विद्युत पारेषण का माध्यम है। छत्तीसगढ़ में पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन के अन्य गैर एचवीडीसी अति उच्च दाब उपकेन्द्र इस प्रकार हैं- रायपुर (400/220 केवी) , भाटापारा (400/220 केवी), रायगढ़(400/220 केवी), बिलासपुर (765/400 केवी), धमधा (दुर्ग) पूलिंग स्टेशन(765/400 केवी), रायगढ़ (कोरबा) पूलिंग (765/400 केवी), रायगढ़ (तमनार) पूलिंग स्टेशन(765/400 केवी), धरमजयगढ़ पूलिंग स्टेशन(765/400 केवी), चांपा पूलिंग स्टेशन(765/400 केवी)।



कबीरधाम

(राजनांदगांव क्षेत्र के अंतर्गत)

राजनांदगांव जिले से अलग होकर 6 जुलाई वर्ष 1998 को नवीन जिला कबीरधाम के रूप में अस्तित्व में आया। इस नये जिले के निर्माण के समय से अब तक विद्युत विकास के कार्यो में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। जो अनवरत् जारी हैः-

विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कबीरधाम जिले में किए गए कार्यों का विवरण इस प्रकार है।

राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के प्रथम चरण में मार्च 2007 से मार्च 2013 तक 652 ग्रामों का सघन विद्युतीकरण, 36 अविद्युतीकृत ग्रामों के विद्युतीकरण के लिए 42 करोड़ 17 लाख की स्वीकृत राशि से 11केवी एव निम्नदाब लाइन विस्तार के कार्यो को पूर्ण कर 35336 हितग्राहियों को नये बीपीएल विद्युत कनेक्शन प्रदान किये गये। द्वितीय चरण में अप्रैल 2013 से जनवरी 2015 तक 190 ग्रामों का सघन विद्युतीकरण, 28 अविद्युतीकृत ग्रामों के विद्युतीकरण लिए 14 करोड़ 92 लाख की स्वीकृत राशि से 11केवी एव निम्नदाब लाइन विस्तार के कार्यो को अतिशीघ्र पूर्ण कर 4494 हितग्राहियों को नये बीपीएल विद्युत कनेक्शन प्रदान किये गये है।

सौभाग्य योजना के तहत कबीरधाम जिले में वर्ष 2018-19 में 14 करोड़ 92 लाख की स्वीकृत राशि से 11 केवी एव निम्नदाब लाइन विस्तार के कार्यो को पूर्ण कर 8982 एपीएल कनेक्शन व 14220 नये बीपीएल विद्युत कनेक्शन प्रदान किये गये है। वर्ष 2018-19 में एस टी एन योजना के तहत 12.72 करोड़ की लागत से मिनमिनिया, बैजलपुर, मडमड़ा, सोनपुरी रानी, झलमला, नेवारी, कवर्धा आई पी डी एस में नये 33/11 केवी उपकेन्द्र स्थापित किये गये जिससे 109 ग्राम लाभान्वित हुए। वर्ष 2021-22 में एस टी एन योजना के तहत 69.14 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे कवर्धा एवं बोड़ला विकासखण्ड के उपकेन्द्र राजनांदगांव, जोराताल, चंदैनी, व कुसुमघटा में 2.00 करोड़ की लागत से अतिरिक्त 3.15 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किये गये व सबराटोला व बैजलपुर उपकेन्द्र में स्थापित 3.15 एमवीए के पॉवर ट्रासफार्मर की क्षमता वृद्धि कर 5.00 एमवीए किया गया जिससे 112 ग्राम लाभान्वित हुए।

सहसपुर लोहारा विकासखण्ड में 132 केवी उपकेन्द्र गंण्डई से 33/11 केव्ही उपकेन्द्र कुरूवा व भादूटोला तक 13.5 कि.मी. 33 केवी लाइन का विस्तार किया गया, 132 केवी उपकेन्द्र कवर्धा से 33/11 केवी उपकेन्द्र मिनमिनिया तक 17.50 कि.मी. तक लाइन का विस्तार की व्यवस्था की गई। 33/11 केवी उपकेन्द्र बिजई, भादूटोला, कुरूवा एवं महली में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर का कार्य किया गया। साथ ही 33/11 केवी उपकेन्द्र पथर्रा, नेवारी, घोठिया, दुल्लापुर, दशरंगपुर, बिड़ोरा, कोडापुरी आदि में ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि कर 5.00 एमवीए किया गया।

वर्ष 2023-24 में बोड़ला विकासखण्ड के ग्राम सिल्हाटी (बैजलपुर) में 46.13 करोड़ की लागत से 132 केवी उपकेन्द्र की स्थापना अगस्त 2024 में की गई। वर्ष 2024-25 में पण्डरिया विकासखण्ड के ग्राम बिरमपुर में 2.39 करोड़ व सहसपुर लोहारा के विकासखण्ड के ग्राम उडियाकला 2.75 करोड़ की लागत से 33/11 केवी उपकेन्द्र का निमार्ण प्रस्तावित किया गया, जिसमें से बिरमपुर का कार्य फरवरी 2025 में पूर्ण हो गया है, व उडियाकला का कार्य प्रगतिरत हैं।

जिले में आर.डी.एस.एस. योजना के अन्तर्गत 692 ग्रामों में 4194 कि.मी. केबलीकरण, 119 नग 1797 कि.मी. फीडर सेपरेशन अन्तर्गत 1777 नग 25 केवी, 913 नग 63 केवी., 555 नग 100 केवी. इस प्रकार कुल 3245 नग वितरण ट्रांसफार्मर स्थापना कार्य, 13 नग 228 कि.मी. 11 केवी. लाइन बाईफारकेशन कार्य किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में कुल 476 ग्रामों में केबलीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं शेष ग्रामों कार्य प्रगतिगत् है। इसी प्रकार 42 नग 11 केवी. लाइन फीडर सेपरेशन का कार्य पूर्ण कर 390 नग वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित कर 11 नग फीडर उर्जीकृत किये गये है एवं शेष कार्य प्रगतिरत् है। 5 नग 11 केवी लाइन बाईफारकेशन पूर्ण कर लाइन उर्जीकृत किया गया है एवं शेष कार्य प्रगतिरत् है।

मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत 51.8 करोड़ कार्यो की स्वीकृति कबीरधाम जिले हेतु प्रदाय की गई जिसमे 7 नग 33/11 केवी उपकेन्द्र स्थापना कार्य, 5 नग 33/11 केवी उपकेन्द्र में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापना कार्य, 19 नग उपकेन्द्र में पूर्व स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मर में क्षमता वृद्धि कार्य, 262.5 कि.मी. 11 केवी लाइन विस्तार कार्य एवं 42 कि.मी. 33 केवी लाइन विस्तार कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें से मोहगांव, मिनमिनिया में अतिरक्त पॉवर ट्रांसफार्मर का स्थापना कार्य एवं गुढ़ा में क्षमता वृद्धि कार्य पूर्ण हो गया है। शेष कार्य प्रगतिरत है।

क्र.	विद्युत संसाधनों का विवरण	जुलाई 1998 की स्थिति में	मार्च 2025 की स्थिति में
1	220/132/33 केवी उच्चदाब उपकेन्द्र	-	04
2	220/132/33 केवी उच्चदाब उपकेन्द्र की क्षमता	-	343 एमवीए
3	33/11 केवी उपकेन्द्र	6	58
4	33 केवी लाइन	179 कि.मी.	815 कि.मी.
5	11 केवी लाइन	962 कि.मी.	4753 कि.मी.
6	वितरण ट्रांसफार्मर की संख्या	970 नग	11445 नग
7	वितरण ट्रांसफार्मर की क्षमता	44700 केवी	526278 केवी
8	विद्युतीकृत कृशि पंपों की संख्या	2416 नग	38999 नग
9	विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या	44573	196866

▪ **धर्मेंद्र मण्डावी**
प्रकाशन अधिकारी, राजनांदगांव

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर



हृदय रोग पर हेल्थ टॉक

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में हृदय रोग पर विशेष हेल्थ टॉक का आयोजन 9 जुलाई को किया गया। अतिथि वक्ता कार्डियोलाजिस्ट डॉ. स्नेहिल गोस्वामी ने कहा कि हम अपनी जीवनशैली पर ध्यान नहीं देते हैं और न ही खानपान पर। इनमें छोटे-छोटे बदलाव करके हम हृदय रोग जैसे बड़े नुकसान से बच सकते हैं। इस अवसर पर प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री एसके कटियार एवं राजेश कुमार शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रबंध निदेशक (पारेषण) श्री आरके शुक्ला ने इस आयोजन को उपयोगी बताया और कहा कि इसमें जो स्वास्थ्य संबंधी टिप्स बताये गए हैं, हम उनका पालन करें तो अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकते हैं। प्रबंध निदेशक (उत्पादन) श्री एसके कटियार ने कहा कि आज युवाओं में स्वास्थ्य को लेकर अधिक चिंता रहती है, परन्तु हम सोशल मीडिया पर सतही ज्ञान को आधार मान लेते हैं, इनसे सावधान रहते हुए वैज्ञानिक सोच के आधार पर चीजों को समझने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एएम परियल एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल उपस्थित थे ।

निशुल्क कैंसर जॉच एवं परामर्श शिविर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा ऑफिसर्स क्लब में निशुल्क कैंसर की प्राथमिक जॉच एवं परामर्श शिविर का आयोजन 12 जुलाई को किया गया। शिविर में बालको से कैंसर विशेषज्ञ (ओंको सर्जन) डॉ. पलक अग्रवाल एवं ओंको टीम से डॉ. हेमलता, श्री सिद्धार्थ सक्सेना,एक तकनीशियन, दो नर्सिंग स्टाफ के साथ 10 लोगों की टीम ने परीक्षण एवं परामर्श की सेवाएं दी। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, शुगर परीक्षण, गठान संबंधी जांच एवं कैंसर के लक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं के लिए विशेष स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और मुख कैंसर की शुरूआती



अवस्था की जॉच करने के लिए मेमोग्राफी मशीन, थर्मल स्कैनिंग,पेप स्मीयर एवं ब्रश साइटोलॉजी की सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री ए.एम.परियल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल, श्रीमती स्नेहा सिंह, श्री गीतेश देवांगन, श्री रजनीश चौबे, श्री कन्हैया देवांगन एवं स्वाति दुबे उपस्थित थे।

नि:शुल्क हड्डी एवं जोड़ शिविर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय डंगनिया रायपुर स्थित औषधालय में नि:शुल्क हड्डी एवं जोड़ जांच शिविर का आयोजन 7 अगस्त को किया गया। इस अवसर पर बोन मिनरल डेंसिटी की नि:शुल्क जांच एवं मस्कुलोस्केलेटल विकारों के बारे में विद्युत कर्मियों को परामर्श, जांच एवं आवश्यक जानकारियां दी गई। पॉवर कंपनी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल. पंचारी ने बताया कि इस शिविर में आस्टियोपोरोसिस, आर्थराइटिस, शुगर, बीपी और यूरिक एसिड की जांच के साथ फिजियोथैरेपिस्ट का परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। शिविर में श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल से आए डॉ. सुशील शर्मा (हड्डी रोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ) एवं डॉ. प्रियांक हिशीकर (हड्डी रोग एवं स्पोर्ट मेडिसिन विशेषज्ञ) ने परामर्श के साथ सलाह



दी कि लोगों को धूप में निकलना चाहिए और कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन के साथ-साथ नियमित व्यायाम एवं समय-समय पर बीएमडी हड्डी जांच अवश्य कराते रहना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. इंदु साहू एवं चिकित्साधिकारी डॉ. श्वेता जैन उपस्थित थी।



POWER SECTOR ROUND UP 8

Vinay Pandey
ADDL.CE CSPGCL
Raipur

Policy

On July 15th, MoP has launched 1,000 crore "Assistance in Deploying Energy Efficient Technologies in Industries & Establishments" (ADEETIE) scheme for MSMEs. The scheme shall be operated by BEE.

From Aug. 1, Coal India has allowed TPPS, using CIL's linkage coal, to sell unrequisitioned surplus power in exchanges. This applies to all existing/bfuture FSAs and extends to all Gencos.

Amid concerns over uncertain power tariffs, MoP has done away with Uniform Renewable Energy Tariff (URET) mechanism (brought in Feb 24 for 3 yrs).

On Aug 12, Committee on Economic Affairs chaired by PM, approved Rs.8146.21 Cr for construction of 700 MW (4 x 175 MW) Tato-II HEP in Arunachal Pradesh in about 72 months.

Legal

The Supreme Court has affirmed the Delhi High Court's decision exempting fees charged by CERC & SERC for granting licenses, tariff determination etc from GST.

Commercial

Acting swiftly on the MOEF & CC revision of SO2 norm, on 18th July, NTPC has put on hold under construction FGD projects at five stations with total 7000 MW capacity.

On Aug 6, Adani Power got LOI from Bihar State Genco for long term power procurement on behalf of North & South Bihar Power Discoms from 2400 MW (3X 800MW) TPP planned at Bhagalpur on DBFOO model.

On 11th Aug, L&T disclosed obtaining Ultra Mega order (above 15,000 Cr) from Adani Power for BTG & accessories of eight 800 MW sets.

L&T Renewables has got order to develop a grid connected 116 MW AC Solar PV plant integrated with a 241 MWh BESS at Lakhisarai district in Bihar. With this extension of earlier phase, this will be largest co-located storage site (495 MWh) in India.

Achievements

In the drive for disintegrated generation, Rajsthan tops. Total 684 decentralised solar plants of 1,305 MW have been set up so far, of which 592 (1,190 MW) were installed in past 12 months.

UK-India Trade deal with 0% tariff, may make Bharat Small Reactors (220 MWe PHWRs, jointly developed by NPCIL & BARC) a game changer in the global market. They are expected to be about 50% cheap (at around $1700 per MW) than the South Koreans 1000 MW SMRs ($2500 – $ 3000 per MW) which are currently second cheapest after Russian SMRs

As per a Rajysabha reply, three types of nuclear reactors 200MWe BSMR, 55MWe SMR and 5MWth High Temperature gas cooled reactor (for production of Hydrogen) are being designed and developed indigenously. Likely time is 60-72 months. Overall cost of lead unit of 200MWe BSMR is estimated to be about Rs 5750 Cr.

As of June 30, 2025, India's installed wind energy capacity reached 51.67 GW, of which 4.15 GWs added in FY 24-25 and 1.64 GW in 1st qtr of FY 25-26. Among states, Gujarat leads with 13.82 GW, followed by Tamil Nadu (11.83 GW) and Karnataka (7.71GW).

Challenge

On 19th July Chinese Premier Li Qiang announced start of construction of the biggest hydropower infrastructure project in the world, valued at USD 167.8 billion on the Brahmaputra River in Tibet, locally known as the Yarlung Zangbo. Indian analyst perceive it as a serious threat.

As per a recent report by Care Edge Ratings, India's EV charging infra grew 5 times in last 3 years, but still there is only 1 public charging station for every 235 EVs

The 800 MW NTPC-BHEL advanced ultra super critical coal fired project, announced in Budget 2024-25, is yet to get requisite approvals. Parliamentary Committee on Public Undertakings (CoPU), has urged swift action, especially with over 130 GW of coal capacity nearing 30 years.

...ताकि बनी रहे हरियाली



मानव संसाधन ट्रांसमिशन, रायपुर

मुख्यालय, डंगनिया, रायपुर

प्रदेश के तीन हजार बिजली दफ्तरों, उपकेंद्रों, बिजली घर परिसरों में रोपे और बांटे गये 75 हजार पौधे...

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ में छायादार और फलदार वृक्ष लगाने के अभियान की शुरूआत पॉवर कंपनीज़ के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने 16 जुलाई को की। उन्होंने पॉवर कंपनीज़ के डंगनिया मुख्यालय स्थित परिसर में औषधीय वृक्ष लौंग का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। डॉ. यादव ने यह भी कहा कि हमें हरियाली के साथ ही अपने आसपास स्वच्छता का भी ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए हर किसी को विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री एसके कटियार (उत्पादन), राजेश कुमार शुक्ला (पारेषण), भीमसिंह कंवर (वितरण) एवं निदेशक श्री आरए पाठक विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी ने कैंपस में पहले पौधरोपण किया। कार्यक्रम का संयोजन मुख्य अभियंता मानव संसाधन ट्रांसमिशन श्री ए. एम. परियल एवं आभार अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल ने किया।

रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय परिसर गुढ़ियारी में 22 जुलाई को वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर के मुख्य आतिथ्य में वृक्षारोपण किया गया।

इस मौके पर पॉवर कंपनी के डायरेक्टर श्री आर.ए. पाठक, कार्यपालक निदेशक श्री वीके साय, मुख्य अभियंता श्री राजेंद्र प्रसाद, कार्यपालक निदेशक (रायपुर ग्रामीण) श्री संदीप वर्मा, मुख्य अभियंता (रायपुर शहर) श्री एम. जामुलकर, चिकित्सा सलाहकार डॉ. विवेक गोले, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री के.एस. भारती, श्री अशोक खंडेलवाल, बीके कुमरे, एल्मिना कुजूर, संजीव सिंह सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

दुर्ग क्षेत्र के मुख्यालय परिसर में मुख्य


मुख्यालय, डंगनिया, रायपुर


बिलासपुर क्षेत्र


रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय, गुढ़ियारी


दुर्ग क्षेत्र


उपकेन्द्र बिलासपुर


राजनांदगांव क्षेत्र

अभियंता श्री संजय खंडेलवाल, अधीक्षण अभियंता श्री एस मनोज एवं उपमहाप्रबंधक वित्त एवं लेखा श्री वाय कोसरिया सहित मुख्य अभियंता एवं वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री डी.के.डूम्भरे, कार्यपालन अभियंता श्रीमती अनसुईया ठाकुर एवं श्रीमती दुर्गेश नंदिनी देवांगन, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री संतोष साहू, विधि अधिकारी सुश्री रश्मि शर्मा, प्रकाशन अधिकारी श्रीमती माया चन्द्राकर एवं निज सचिव श्री बी. एस. राजपूत आदि थे।

राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट के द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत शहर के मोहारा स्थित 33/11 केवी उपकेन्द्र कैम्पस में वृक्षारोपण कर इस अभियान की शुरूआत की। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता द्वय श्री शंकेश्वर कंवर, श्री केसी खोटे, कार्यपालन अभियंता श्री मुकेश कुमार साहू, सुश्री गीता ठाकुर, श्री बीरबल उइके, श्री नुरेन्द्र साहू, श्री रविकांत शर्मा, सहायक अभियंता श्री रोहित मंडावी, श्री सुशील कोड़पे, श्रीमती उषा साहू, श्रीमती शेषकुमारी साहू, सुश्री ममता कर्मकार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे।

बिलासपुर क्षेत्र तोरवा स्थित अधीक्षण अभियंता, नगर वृत्त कार्यालय परिसर में कार्यपालक निदेशक श्री ए. के. अम्बस्ट, अधीक्षण अभियंता श्री पी. आर. साहू, कार्यपालन अभियंता श्री बी. बी. नेताम, श्री एच.के.चन्द्रा, श्री सैय्यद मुख्तार एवं कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे रोपे। इस अवसर पर सहायक अभियंता श्री बी. पी. जायसवाल, श्री गिरीश श्रीवास्तव, श्रीमती संचारी चैहान, श्रीमती वर्षा सोनी, श्रीमती प्रीता


रायगढ़ क्षेत्र


जगदलपुर क्षेत्र


रायपुर शहर


अम्बिकापुर क्षेत्र


कार्यपालक निदेशक वित्त पारेषण कंपनी

एक्का, श्रीमती नंदनी आडिल, श्री दीप्तेन मुखर्जी, श्री रवि ध्रुव, श्री संतोष देवांगन आदि ने पोधे रोपे।

बिलासपुर क्षेत्र कार्यपालक निदेशक (उपकेन्द्र) श्रीमती कल्पना घाटे ने तिफरा स्थित कार्यालय परिसर एवं 132/33 उपकेन्द्र कोनी में पौधे रोपित किये गये। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. के. दुबे, अधीक्षण अभियंता श्रीमती मधु मिंज, श्रीमती निवेदिता जायसवाल, श्री गौतम केनार कार्यपालन अभियंता श्री शिवम घोष, श्री सपत हरीश, श्री तामेश्वर सिंह, श्रीमती शिखा सिंह वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री एच.पी. एक्का, सहायक अभियंता श्री बजरंग विश्वकर्मा, श्री गजेन्द्र सोनी, श्री सचिन, प्रशासनिक अधिकारी श्री ए. जे. सिंह लेखाधिकारी श्री एन.एस.ठाकुर आदि ने पोधे रोपे।

अम्बिकापुर क्षेत्र में मुख्य अभियंता श्री यशवंत शिलेदार, अति मुख्य अभियंता श्री आवेदन कुजूर,अधीक्षण अभियंता श्री आर के मिश्रा एवं श्री केएन सिंह सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अम्बिकापुर क्षेत्र मुख्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया।

रायगढ़ क्षेत्र के संभागीय कार्यालय सारंगढ़ के प्रांगण में मुख्य अभियंता श्री मनीष तनेजा, अधीक्षण यंत्री श्री व्ही. पी. पटेल, अधीक्षण यंत्री श्री गुंजन शर्मा, कार्यपालन यंत्री श्री आर. पी. नायक, कार्यपालन यंत्री श्री पी. सी. महानंदा, अनुभाग अधिकारी श्री राजू लाल चैहान, कनिष्ठ यंत्री श्री फकीर मोहन चैधरी, कनिष्ठ यंत्री श्री राहुल जायसवाल सहित अधिकारी एवं कर्मचारी ने फलदार वृक्षों का रोपण किया।

जगदलपुर क्षेत्र में कार्यपालक निदेशक श्री टीके मेश्राम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एके गुप्ता, अधीक्षण अभियंता एन के पोयाम एवं श्री सीएच मरकाम, कार्यपालन अभियंता श्री नंद कुमार मांझी,श्री एचके ध्रव, श्री सुदीप खेस, श्री सलीम खान, श्री जुसुफ केरकेट्टा, श्री सतीश कुमार किंडो, श्री अमर भगत, श्री थान सिंह उईके, श्री राजकुमार चैहान, श्री डी आर उर्वशा, श्री राम लाल सिन्हा,श्री बीसी सिंह, श्री एसपी जेकब, श्री पीवी राजेश, श्री पीके अग्रवानी ने पोधे रोपे।



श्रीमती ज्योति नंनौरे - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज डंगनिया मुख्यालय में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष (डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन) डॉ. रोहित यादव द्वारा ईडी (प्रोजेक्ट) श्रीमती ज्योति नंनौरे को जुलाई माह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर एम.डी. (जनरेशन) श्री एस.के.कटियार, एम.डी.(ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं एम.डी. (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक(जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

श्री पी.व्ही. सजीव - क्षेत्रीय कार्यालय रायगढ़ में श्री पी.व्ही. सजीव, मुख्य अभियंता (रायगढ़ क्षेत्र) को 30 जून को भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्ति के इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर जी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। सेवानिवृत्ति समारोह में श्री मनीष तनेजा, अति. मुख्य अभियंता (रायगढ़ क्षेत्र), श्री व्ही.पी. पटेल, अधीक्षण यंत्री (कार्या.-एक), श्री हरिशंकर शुक्ला अधीक्षण यंत्री (कार्या.-दो) एवं रायगढ़ क्षेत्र के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।





श्री किशोर कुमार जंघेल, श्रीमती मीरा चौरसिया, श्री रविकांत साहू एवं श्री पुरूषोत्तम लाल - पॉवर कंपनी के भारप्रेषण केन्द्र में आयोजित विदाई कार्यक्रम में खेदामारा, भिलाई से सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता श्री किशोर कुमार जंघेल, कार्यपालन अभियंता (कर्मशाला) संभाग से भृत्य श्रीमती मीरा चौरसिया तथा रायपुर से मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री रविकांत साहू एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री पुरूषोत्तम लाल गुप्ता को जुलाई माह में प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा भावभीनी विदाई दी गईं। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक(जनसंपर्क) श्री गोविंद पटेल द्वारा किया गया।



श्री दुकलहा राम ध्रुव, श्री प्रमोद हरिहर भालेराव एवं श्री एडमोन तिर्की - डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व से माह जुलाई में लेखा अधिकारी, श्री दुकलहा राम ध्रुव, श्री प्रमोद हरिहर भालेराव और वरिष्ठ पर्यवेक्षक, श्री एडमोन तिर्की सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र एवं कलाई घड़ी, से सम्मानित कर विदाई दिए। इस अवसर पर अति. मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री एल.एन.सूर्यवंशी, श्री सुनील सरना, श्री विजय सेन चौधरी एवं वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी, वरि. कल्याण अधिकारी सह मुख्य रसायनज्ञ श्री गोवर्धन सिदार, उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता श्री पन्ना लाल साहू एवं अभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता (मा.संसा.) श्री देवी शंकर राय द्वारा किया गया।



श्री पीसी साहू - राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक कार्यालय में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री प्रकाश चंद साहू के सेवानिवृत्त पर कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर श्री साहू को भावभीनी विदाई दी गई।
इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर, श्री केसी खोटे, कार्यपालन अभियंता श्रीमती कांति नेताम, सुश्री गीता ठाकुर, निज सचिव श्री एस.के. बक्शी, प्रशासनिक अधिकारी श्री नीरज देवांगन, सहायक विधि अधिकारी श्रीमती पूजा ग्वालवंशी, श्री एन.के. शुक्ला, श्री एस.के. मरठा, श्रीमती सरस्वती अय्यर, श्री अनिल मिंज, श्री प्रकाश सोनटापर एवं श्री डी. दिलेश्वर राव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री धर्मेन्द्र शाह मंडावी ने किया।



श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा, श्री मुन्ना, श्री सम्पत, श्रीमती उषा किरण दीवान, श्री मंगल प्रसाद कौशिक - बिलासपुर क्षेत्र से माह मई में 05 कर्मचारी प्रशासनिक अधिकारी श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा, सहायक श्रेणी-दो श्री मुन्ना, सहायक श्रेणी-दो श्री सम्पत, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक श्रीमती उषा किरण दीवान, परिचारक श्रेणी-दो (ला.) श्री मंगल प्रसाद कौशिक सेवानिवृत्त हुए। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री ए.के.अम्बस्ट द्वारा सेवानिवृत्तजनों को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट कर शुभकामनायें दी। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री जी.पी.सोनवानी, श्री सुरेश जांगडें, कार्यपालन अभियंता श्री पी.व्ही.एस.राजकुमार, श्री बी.के.सरकार, श्री बी.बी.नेताम उपस्थित रहे।



श्री बंशीलाल यादव, श्री खिलावन राम कनौजिया, श्रीमती राजकुमारी साहू, श्री सौखी लालसूर्यवंशी - बिलासपुर क्षेत्र से माह जुलाई में 04 कर्मचारी दफ्तरी श्रीबंशी लाल यादव दफ्तरी, परिचारक श्रेणी-दो (ला.) श्री खिलावन राम कनौजिया, भृत्यश्रीमती राजकुमारी साहू, परिचारक श्रेणी-दो (ला.) श्री सौखी लाल सूर्यवंशी सेवानिवृत्तहुए। जिन्हें कार्यपालक निदेशक श्री ए.के.अम्बस्ट द्वारा स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानितकिया गया। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता श्री डी.के.भोजक, अधीक्षणअभियंता श्री जी.पी.सोनवानी, कार्यपालन अभियंता श्री पी.व्ही.एस.राजकुमार, प्रशासनिकअधिकारी श्री दीपक एक्का, श्री भगवती प्रसाद एवं अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल, श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव, श्री पुनीराम चौहान समेत 12 विद्युत कर्मचारी सेवानिवृत्त - हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से जुलाई माह में अधीक्षण अभियंता श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल, स्टाफ ऑफिसर श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव, प्रशासनिक अधिकारी श्री पुनीराम चौहान समेत 12 विद्युत कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इन विद्युतकर्मियों में कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री लखन लाल ठाकुर, श्री चंद्रकुमार चंद्रा, श्री परीक्षित लाल चंद्रा, श्री बंधन सिंह कंवर, श्री कमल नारायण पटेल, संयंत्र सहायक श्रेणी एक- श्री जीवन लाल यादव, मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री बाबूलाल बरेठ, श्री शिव सम्पत्ति प्रसाद राव और श्री रामनिधि तिवारी शामिल हैं। मुख्य अभियंता श्री पी.के. श्रीवास्तव के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृतिचिन्ह व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पी.के. स्वैन, श्री पी.के. मलघानी, श्री केएनबी. राव, श्री एस.सी. पाठक और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल उपस्थित रहे।



श्री किशोर बजाज, श्री ठंडा राम देवांगन, श्री कमल किशोर शुक्ला, श्री रूपचंद सूर्यवंशी, श्री अगुस्टीन तिग्गा, श्रीमती श्यामा सोलंकी, श्री बंश राम, श्री रास बिहारी, श्री देवेंद्र सिंह कश्यप, मो. रियाज, श्री गौरीशंकर राठौर, श्री दुर्गा प्रसाद चंद्रा, श्री टीका राम, श्री जयपाल सिंह कंवर, श्री शिव प्रसाद यादव और श्रीमती नीरा बाई - हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से जून माह में अधीक्षण अभियंता श्री किशोर कुमार बजाज और 15 विद्युत कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इन विद्युतकर्मियों में वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री ठंडा राम देवांगन, श्री कमल किशोर शुक्ला, श्री रूपचंद सूर्यवंशी, श्री अगुस्टीन तिग्गा, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो श्रीमती श्यामा सोलंकी, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री बंश राम, श्री रास बिहारी, श्री देवेंद्र सिंह कश्यप, मो. रियाज, श्री गौरीशंकर राठौर, श्री दुर्गा प्रसाद चंद्रा, श्री टीका राम, संयंत्र सहायक श्रेणी-एक श्री जयपाल सिंह कंवर, श्री शिव प्रसाद यादव और भृत्य श्रीमती नीरा बाई शमिल हैं। मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृतिचिन्ह व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमके. गुप्ता, श्री पीके. स्वैन, श्री केएनबी. राव, श्री एससी. पाठक और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री एके कुरनाल उपस्थित थे।



श्री विरेंद्र सिंह, श्री कन्हैया लाल चंद्रा और श्री कुसवा राम यादव - अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से जून माह में अधीक्षण अभियंता श्री विरेंद्र सिंह, मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री कन्हैया लाल चंद्रा और वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री कुसवा राम यादव सेवानिवृत्त हुए। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एसडी द्विवेदी, श्री एन. लकरा एवं श्री ए.के. शाह के द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया।



श्री प्रमोद कुमार कोमजवार रायपुर, श्री भरत सिंह ध्रुवे, श्रीमती निर्मला ध्रुवे, श्री राम भरोसे मन्नेवार , श्री गनपत राम धुरंधर, श्री विनोद कुमार भंगाले, श्री किशोर महतो, श्री संपत लाल अहिरवार एवं श्रीमती कांता बाई राजवाड़े - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी मुख्यालय में माह जून में अधीक्षण अभियंता (टीएंडडी) श्री प्रमोद कुमार कोमजवार रायपुर, सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)श्री भरत सिंह ध्रुवे, रायपुर, अनुभाग अधिकारी श्रीमती निर्मला ध्रुव बिलासपुर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री राम भरोसे मन्नेवार रायगढ़, लाइन सहायक श्रेणी-एक श्री गनपत राम धुरंधर रायपुर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री विनोद कुमार भंगाले खेदामारा, संयंत्र सहायक श्रेणी-दो श्री किशोर महतो कोरबा, लाइन सहायक श्रेणी-2 श्री संपत लाल अहिरवार कोरबा (स्वैच्छिक) एवं श्रीमती कांता बाई राजवाड़े, भृत्य कोरबा को सेवानिवृत्ति उपरांत प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री एम.एस.चौहान, संजय पटेल, वी.के.दीक्षित, श्रीमति ज्योति ननौरे, मुख्य अभियंता श्री के.बी.पात्रे एवं ए.एम.परियल उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता(सचिवालय) श्री राजेश सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविंद पटेल ने किया।



श्री राम किशोर भलावी - राजनांदगांव वृत कार्यालय में पदस्थ दफ्तरी श्री राम किशोर भलावी के सेवानिवृत्त पर अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर ने स्मृति चिन्ह, उपहार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता सुश्री गीता ठाकुर, सहायक अभियंता श्री हेमराज साहू, श्रीमती ऊषा साहू, श्रीमती शेषकुमारी साहू, अनुभाग अधिकारी श्री पीआर साहू सहित अन्य उपस्थित थे।



श्रीमती सुषमा शर्मा - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता (नगर वृत्त-एक) कार्यालय में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्रीमती सुषमा शर्मा 30 जून को सेवानिवृत्त हुई। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री एम.विश्वकर्मा द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृतिचिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई।



श्री विलास सवड़े एवं श्री एन.ए.कुरैशी - दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय में पदस्थ अधीक्षण अभियंता श्री विलास सवड़े एवं निज सचिव श्री एन.ए.कुरैशी के सेवानिवृत्त होने पर मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एच.के.मेश्राम एवं अधीक्षण अभियंता श्री एस.मनोज द्वारा दोनों सेवानिवृत्त अधिकारियों को शॉल-श्रीफल से सम्मानित किया गया एवं उपहार भेंट कर शुभकामनायें दी गई।

नया स्तंभ

चाहिए अदद तस्वीरें

जो बयां करती हैं अपने वक्त की कहानियां

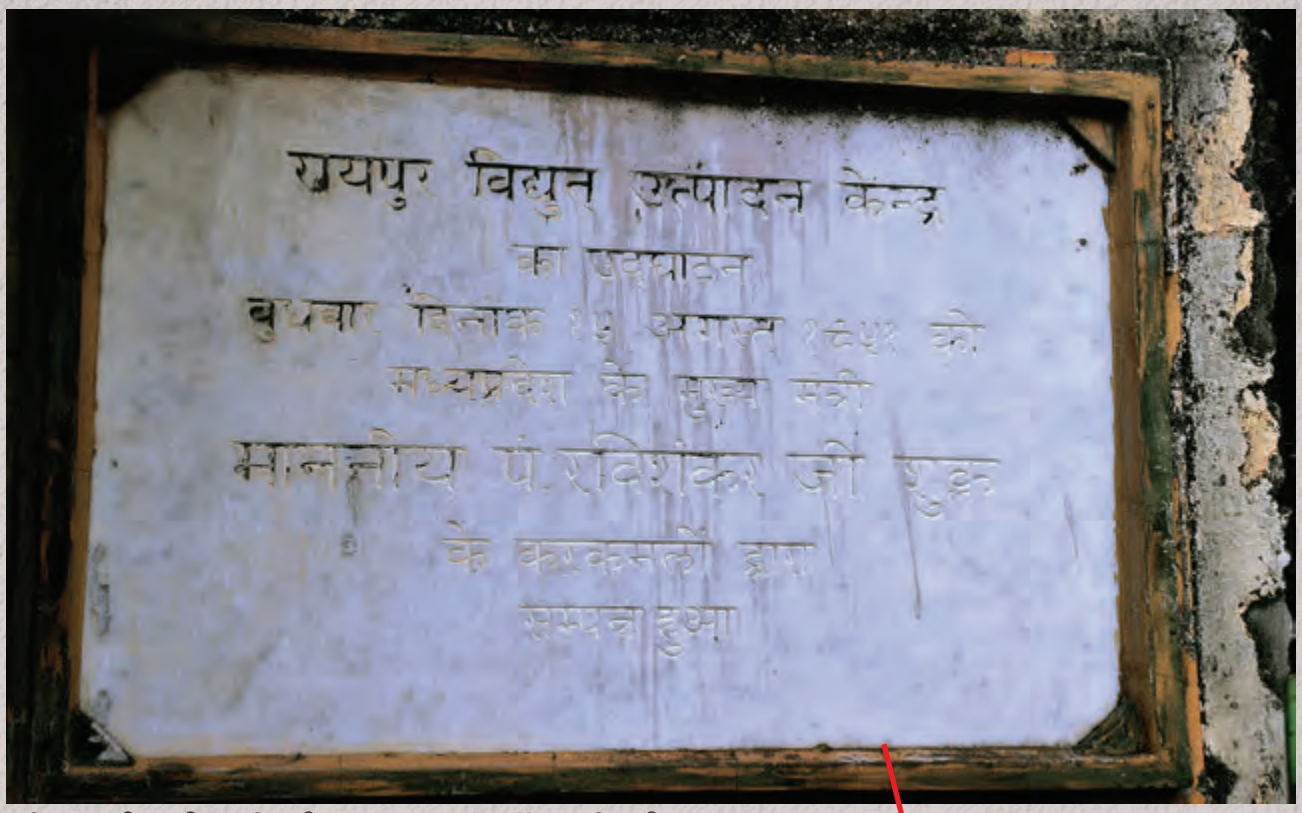

वर्ष 1951 की तस्वीर, गुढ़ियारी, रायपुर में 4 मेगावॉट का बिजली घर, विस्तृत कहानी संकल्प के अक्टूबर 2024 के अंक में

"एक तस्वीर हजार शब्द" यह कोरी कहावत नहीं बल्कि सच्चाई है। एक तस्वीर अपने वक्त की कहानी बयां करती है। अपने वर्तमान स्वरूप में छत्तीसगढ़ राज्य भले ही नवम्बर 2000 में बना हो लेकिन यहां बिजली की दस्तक तो 1915 के आसपास सुनाई देने लगी थी, फिर तो काल-क्रम के साथ विकास के कदमों के निशान बढ़ने लगे। बहुत सी पुरानी बातें, जिन दस्तावेजों में दर्ज होंगी वे इतने बिखरे हैं कि जैसे उपलब्ध नहीं हैं। जनश्रुतियों के साथ जनसहयोग से प्रदेश में बिजली के इतिहास के प्रमाणित दस्तावेज पुरानी तस्वीरों के माध्यम से जुटाने की जुगत है यह स्तंभ।

पाठकों से निवेदन है कि ऐतिहासिक महत्व की ऐसी तस्वीरें साझा करें, यहां प्रेषक के नाम और प्रेषित विवरण के साथ उन्हें प्रकाशित किया जाएगा।

– संपादक



पीएम सूर्य घर
मुफ़्त बिजली योजना

अतिशेष बिजली डिस्कॉम को बेच कर होगी **अतिरिक्त कमाई**



उपभोक्ता से बनें ऊर्जादाता



डबल सब्सिडी

मासिक बिजली बिल से कम पैसों में

केंद्र के साथ अब मिलेगी राज्य की भी सब्सिडी

लगाएं रूफटॉप सोलर प्लांट

1kW मात्र ₹15,000 में

2kW मात्र ₹30,000 में

आवेदन प्रक्रिया व अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए लिंक पर जाएं

https://pmsuryaghar.gov.in/

QR कोड स्कैन करें

सोलर प्लांट क्षमता	केंद्र सरकार की सब्सिडी	राज्य सरकार की सब्सिडी	कुल सहायता राशि	आसान मासिक EMI
1 kW	₹30,000	₹15,000	₹45,000	₹170
2 kW	₹60,000	₹30,000	₹90,000	₹341
3 kW	₹78,000	₹30,000	₹1,08,000	₹818

*बैंक द्वारा 6.5% ब्याज दर पर आसान किश्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा (ई.एम.आई.) उपलब्ध



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमारा संकल्प
हाफ बिजली से मुफ्त बिजली